हकेवि में हुआ स्वामी दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर हवन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में स्वामी दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीठ के आचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने अपने संबोधन में स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन-दर्शन, उनके योगदान व साहित्य से परिचित करवाया।

उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती के दिखाए मार्ग पर चलकर जनमानस समाज की बेहतरी में योगदान दे रहा है। प्रो. रणवीर सिंह ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के आयोजन हेतु विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का आभार व्यक्त किया। स्वामी दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित हवन का कार्यक्रम श्रद्धा-भक्ति के साथ प्रातःकाल में सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में इस कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजयपाल व प्राध्यापक डॉ. नवीन, संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी व प्राध्यापक डॉ. देवेन्द्र सिंह, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. सूरज आर्य, भूगोल विभाग के डॉ. सी.एम. मीणा, पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार व डॉ. नीरज कर्ण सिंह, पोषण जीवविज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. कान्ति प्रकाश पाण्डेय आदि सहित योग विभाग के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी आयोजन में प्रतिभागिता की। देवयज्ञ शुद्ध वैदिक रीति से सम्पादित हुआ।

कार्यक्रम • हकेवि सतर्कता जागरूकता सप्ताह का हुआ शुभारंभ, विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा की दिलाई गई प्रतिज्ञा

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में योगदान के लिए किया प्रेरित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में 31 अक्टूबर से 6 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत सोमवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ली।

विश्वविद्यालय के मिनी ऑडिटोरियम में हुए इस आयोजन में समूची विश्वविद्यालय बिरादरी ने न सिर्फ भ्रष्टाचार से खुद को दूर रखने बल्कि अपने आसपास हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने की शपथ ली। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जब हम एक होकर काम करेंगे तभी श्रेष्ठ भारत का निर्माण संभव है। कुलपति ने एकता के प्रतीक लोह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए भारत को नई बुलंदी पर पहुंचाने का लक्ष्य प्राप्त कर ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा।

सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा लेते विश्वविद्यालय अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने प्रतिभागियों से कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य अवश्य ही भारतीय एकता व अखंडता को मजबूत करना है और यदि हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे तो भारत न सिर्फ भ्रष्टाचार मुक्त होगा बल्कि विश्व पटल पर सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. ए.के. यादव ने बताया कि इस बार केंद्रीय सतर्कता आयोग की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का थीम 'भ्रष्टाचार मुक्त विकसित भारत' निर्धारित किया गया है। इस आयोजन के अंतर्गत एनएसएस द्वारा सतर्कता जागरूकता रैली के संबंध में एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में निकाली गई इस रैली को कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम की इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांव जांट के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के व हकेवि की एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एकता दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें रैली व दौड़ के माध्यम से स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को समाज में भाईचारे व एकता का संदेश दिया। रैली में विद्यालय के प्राध्यापक विनोद, एकता व डॉ. अनु भी शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि रैली में सम्मिलित विद्यार्थियों व शिक्षकों ने स्लोगन के माध्यम से जनजन को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में योगदान हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. ए.पी. शर्मा सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

स्वामी दयानंद की पुण्यतिथि पर हवन आयोजित

स्वामी दयानंद की पुण्यतिथि पर आयोजित हवन में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में स्वामी दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीठ के आचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने अपने संबोधन में स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन-दर्शन, उनके योगदान व साहित्य से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती के दिखाए मार्ग पर चलकर जनमानस समाज की बेहतरी में योगदान दे रहा है। प्रो. रणवीर सिंह ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का आभार व्यक्त किया। स्वामी दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित हवन का कार्यक्रम श्रद्धा-भक्ति के साथ प्रात काल में संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इस कार्यक्रम में योग विभाग के प्रभारी डा. अजयपाल व प्राध्यापक डा. नवीन, संस्कृत विभाग की प्रभारी डा. सुमन रानी व प्राध्यापक डा. देवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

एक होकर काम करने से ही श्रेष्ठ होगा भारत : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 31 अक्टूबर से छह नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत सोमवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ली। विश्वविद्यालय के मिनी आडिटोरियम में हुए इस आयोजन में समूची विश्वविद्यालय बिरादरी ने न सिर्फ भ्रष्टाचार से खुद को दूर रखने बल्कि अपने आसपास हो रहे भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज बुलंद करने की शपथ ली। भ्रष्टाचार मुक्त विकसित भारत पर केंद्रित इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जब हम एक होकर काम करेंगे, तभी श्रेष्ठ भारत का निर्माण संभव है। कुलपति ने एकता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए भारत को नई बुलंदी पर पहुंचाने का लक्ष्य प्राप्त कर ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य अवश्य ही भारतीय एकता व अखंडता को मजबूत करना है। मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. एके यादव ने बताया कि इस बार केंद्रीय सतर्कता आयोग की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का थीम भ्रष्टाचार मुक्त विकसित भारत निर्धारित किया गया है। रैली को कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश, डा. रणबीर सिंह, डा. एपी शर्मा सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

स्वामी दयानंद की पुण्यतिथि पर यज्ञ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में स्वामी दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में हवन का आयोजन किया गया। अवसर पर पीठ आचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने अपने संबोधन में स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन-दर्शन, उनके योगदान व साहित्य से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती के दिखाए मार्ग पर चलकर जनमानस समाज की बेहतरी में योगदान दे रहा है। प्रो. रणवीर सिंह ने इस अवसर पर विवि में आयोजित कार्यक्रम के आयोजन हेतु विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार का आभार व्यक्त किया। स्वामी दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित हवन का कार्यक्रम श्रद्धा-भक्ति के साथ प्रातःकाल में सम्पन्न हुआ। विवि संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम में योग विभाग प्रभारी डॉ. अजयपाल व प्राध्यापक डॉ. नवीन, संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी व प्राध्यापक डॉ. देवेंद्र सिंह, कंप्यूटर विज्ञान विभाग डॉ. सूरज आर्य, भूगोल विभाग के डॉ. सीएम मीणा, पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। स्वामी दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर आयोजित हवन में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

एक होकर काम करने से ही श्रेष्ठ होगा भारतः प्रो. टंकेश्वर

■ सत्यनिष्ठा की दिलाई प्रतिज्ञा

महेंद्रगढ़, 31 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 31 अक्तूबर से 6 नवम्बर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत सोमवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ली।

विश्वविद्यालय के मिनी ऑडिटोरियम में हुए इस आयोजन में समूची विश्वविद्यालय बिरादरी ने न सिर्फ भ्रष्टाचार से खुद को दूर रखने बल्कि अपने आसपास हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने की शपथ ली।

भ्रष्टाचार मुक्त विकसित भारत पर केंद्रित इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जब हम एक होकर काम करेंगे तभी श्रेष्ठ भारत का निर्माण संभव है।

सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा लेते विश्वविद्यालय अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी।

रैली व दौड़ के माध्यम से स्वयंसेवकों ने दिया भाईचारे व एकता का संदेश

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से जन जागरूकता फैलाई जाएगी।

एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में निकाली गई इस रैली को कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कार्यक्रम की इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांव जांट के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व हकेंवि की एन.एस.एस. इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एकता दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें रैली व दौड़ के माध्यम से स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को समाज में भाईचारे व एकता का संदेश दिया।

रैली में विद्यालय के प्राध्यापक विनोद, एकता व डॉ. अनु भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि रैली में सम्मिलित विद्यार्थियों व शिक्षकों ने स्लोगन के माध्यम से जनजन को भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में योगदान हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. ए.पी. शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कुलपति ने एकता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए भारत को नई बुलंदी पर पहुंचाने का लक्ष्य प्राप्त कर ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य अवश्य ही भारतीय एकता व अखंडता को मजबूत करना है और यदि हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे तो भारत न सिर्फ भ्रष्टाचार मुक्त होगा बल्कि विश्व पटल पर सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा दिलाई गई सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ने के लिए सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना व मुख्य सतर्कता अधिकारी कार्यालय के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. ए.के. यादव ने बताया कि इस बार केंद्रीय सतर्कता आयोग की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का थीम 'भ्रष्टाचार मुक्त विकसित भारत' निर्धारित किया गया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कंठस्थ टूल पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से कंठस्थ टूल पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. मोहन चंद्र बहुगुणा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर गंभीरता के साथ प्रयास कर रहा है। राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिन्दी का प्रशिक्षण आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को हिंदी अनुवाद करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग में आ रही कठिनाई को दूर करना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में अनुवाद का महत्व बढ़ा है और नई शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा को उपलब्ध कराने की बात करती है ऐसे में इस तरह की कार्यशाला अवश्य ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए फायदेमंद साबित होगी। कुलपति ने कहा कि अनुवाद के महत्व को समझते हुए ही विश्वविद्यालय ने अपने यहां एम.ए. (हिंदी अनुवाद) का पाठ्यक्रम शुरू किया है जिसके अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

इस ऑनलाइन कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित मोहन चंद्र बहुगुणा ने कंठस्थ टूल के विषय में बताते हुए कहा कि ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है। उन्होंने बताया कि ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनःप्रयोग कर सकता है। डॉ. बहुगुणा ने कंठस्थ टूल में अनुवाद करने की प्रक्रिया, अनुवाद कार्य को व्यवस्थित रखने की प्रक्रिया व भविष्य में उसके फिर से प्रयोग करने की प्रक्रिया के बारे में प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई। कार्यशाला का आरम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय व धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, प्रभारी, शिक्षकों व कर्मचारियों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागिता की।

कार्यशाला

नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा देने पर दिया गया है जोर

कार्यालय के कार्य में हिंदी का प्रयोग करने पर दिया जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से कंठस्थ टूल पर आधारित ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई।

इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. मोहन चंद्र बहुगुणा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को लेकर गंभीरता के साथ प्रयास कर रहा है।

राजभाषा हिंदी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिंदी का प्रशिक्षण आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को हिंदी अनुवाद करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग में आ रही कठिनाई को दूर करना है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ। संवाद

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है। आज के समय में अनुवाद का महत्व बढ़ा है और नई शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा को उपलब्ध कराने की बात करती है। ऐसे में इस तरह की कार्यशाला अवश्य ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए फायदेमंद साबित होगी। कुलपति ने कहा कि अनुवाद के महत्व को समझते हुए ही विश्वविद्यालय ने अपने यहां एमए (हिंदी अनुवाद) का पाठ्यक्रम शुरू किया है जिसके अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

इस ऑनलाइन कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित मोहन चंद्र बहुगुणा ने कंठस्थ टूल के विषय में बताते हुए कहा कि ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनःप्रयोग कर सकता है।

डॉ. बहुगुणा ने कंठस्थ टूल में अनुवाद करने की प्रक्रिया, अनुवाद कार्य को व्यवस्थित रखने की प्रक्रिया व भविष्य में उसके फिर से प्रयोग करने की प्रक्रिया के बारे में प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई। विवि के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय व धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, प्रभारी, शिक्षकों व कर्मचारियों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागिता की।

हकेवि में 'कंठस्थ टूल' पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित

राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिन्दी का प्रशिक्षण आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से कंठस्थ टूल पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. मोहन चंद्र बहुगुणा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर गंभीरता के साथ प्रयास कर रहा है।

राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिन्दी का प्रशिक्षण आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को हिंदी अनुवाद करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया।

ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित है सिस्टम...

इस ऑनलाइन कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित मोहन चंद्र बहुगुणा ने कंठस्थ टूल के विषय में बताते हुए कहा कि ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनःप्रयोग कर सकता है।

डॉ. मोहन चंद्र बहुगुणा ने कंठस्थ टूल में अनुवाद करने की प्रक्रिया, अनुवाद कार्य को व्यवस्थित रखने की प्रक्रिया व भविष्य में उसके फिर से प्रयोग करने की प्रक्रिया के बारे में प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई। कार्यशाला का आरम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय व धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, प्रभारी, शिक्षकों व कर्मचारियों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागिता की।

कंठस्थ टूल पर हिंदी कार्यशाला आयोजित

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को लेकर विश्वविद्यालय गंभीर: प्रो. टंकेश्वर

कंठस्थ टूल पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 3 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से कंठस्थ टूल पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. मोहन चंद्र बहुगुणा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को लेकर गंभीरता के साथ प्रयास कर रहा है।

राजभाषा हिंदी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिंदी का प्रशिक्षण आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को हिंदी अनुवाद करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग में आ रही कठिनाई को दूर करना है।

विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शैक्षणिक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में अनुवाद का महत्व बढ़ा है और नई शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा को उपलब्ध कराने की बात करती है, ऐसे में इस तरह की कार्यशाला अवश्य ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए फायदेमंद साबित होगी।

कुलपति ने कहा कि अनुवाद के महत्व को समझते हुए विश्वविद्यालय ने अपने यहां एम.ए. (हिंदी अनुवाद) का पाठ्यक्रम शुरू किया है जिसके अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है।

ट्रांसलेशन मैमोरी पर आधारित यह सिस्टम गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए किया विकसित: बहुगुणा

इस ऑनलाइन कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित मोहन चंद्र बहुगुणा ने कंठस्थ टूल के विषय में बताते हुए कहा कि ट्रांसलेशन मैमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है।

इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है।

उन्होंने बताया कि ट्रांसलेशन मैमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुन: प्रयोग कर सकता है।

डॉ. बहुगुणा ने कंठस्थ टूल में अनुवाद करने की प्रक्रिया, अनुवाद कार्य को व्यवस्थित रखने की प्रक्रिया व भविष्य में उसके फिर से प्रयोग करने की प्रक्रिया के बारे में प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी विस्तार से उपलब्ध कराई। कार्यशाला का आरम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ।

तत्पश्चात विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय व धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, प्रभारी, शिक्षकों व कर्मचारियों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागिता की।

में एक खुशी का माहौल बना हुआ है। पूजा के परिजन उपस्थित थे।

हकेंवि : एनसीसी विंग में 20 सीटों पर किया चयन

एनसीसी विंग में चयन के लिए पंजीकरण करते एनसीसी के अधिकारी। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) विंग में विद्यार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एसीसी विंग के गठन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विंग विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम और सेवा के भाव को जागृत करने में मददगार साबित होगी। एनसीसी अधिकारी डॉ. रमेश कुमार, डॉ. पायल चंदेल, कर्नल एके सिंह, कर्नल हरप्रीत सिंह भिंडर, सूबेदार मेजर आनरी लेफ्टिनेंट जगमाल सिंह, सूबेदार मोहन देव शर्मा, एचएम. राजेंद्र के सहयोग से पूर्ण किया गया। डॉ. रमेश कुमार, डॉ. पायल चंदेल ने बताया कि इस विंग के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर 35 छात्र-छात्राओं के आवेदन आए थे। जिनमें 20 सीटों के लिए आयोजित इस चयन प्रक्रिया में सभी 35 विद्यार्थी लिखित परीक्षा व शारीरिक प्रतिस्पर्धा में शामिल हुए और उनके प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित मेरिट को देखते हुए योग्य विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया है।

हकेवि में एनसीसी विंग में पंजीकरण की प्रक्रिया करते अधिकारी।

हकेवि में एनसीसी विंग में पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण, मेरिट के आधार पर दिया मौका

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) विंग में विद्यार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एसीसी विंग के गठन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विंग विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम व सेवा के भाव को जागृत करने में मददगार साबित होगी। विश्वविद्यालय में एनसीसी अधिकारी डॉ. रमेश कुमार व डॉ. पायल चंदेल के प्रयासों से विद्यार्थियों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा व शारीरिक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से हुई इस पंजीकरण की प्रक्रिया को कर्नल ए.के. सिंह, कर्नल हरप्रीत सिंह भिंडर, सूबेदार मेजर आर्नरी लेफ्टिनेंट जगमाल सिंह, सूबेदार मोहन देव शर्मा व एच.एम. राजेंद्र के सहयोग से पूर्ण किया गया। डॉ. रमेश कुमार व डॉ. पायल चंदेल ने बताया कि इस विंग के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर 35 छात्र-छात्राओं के आवेदन आए थे। जिनमें 20 सीटों के लिए आयोजित इस चयन प्रक्रिया में सभी 35 विद्यार्थी लिखित व शारीरिक प्रतिस्पर्धा में सम्मिलित हुए और प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित मेरिट को देखते हुए योग्य विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया।

आईजीयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू में वक्ताओं ने रखे विचार

तकनीक का प्रयोग पर्यावरण हित में करने को लेकर शोध की आवश्यकता : प्रो. टंकेश्वर

भास्कर न्यूज | रेवाड़ी

आईजीयू मीरपुर के भूगोल विभाग की ओर से 22वीं एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स एसोसिएशन के अंतर्गत "मनुष्य, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी के बदलते प्रतिमानः मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार पहुंचे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण अब एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। इस समय तकनीक का प्रयोग पर्यावरण के हित में किस प्रकार करें, इस पर शोध की आवश्यकता है। सबका साथ सबके विकास में अब पर्यावरण, पशु-पक्षियों व वनस्पति सभी को शामिल करने की आवश्यकता है, ताकि संपूर्ण प्रकृति का विकास हो सके।

कुलपति प्रो. जेपी यादव ने कहा कि जल प्रबंधन, मृदा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक का प्रयोग करने की बजाय दूसरी वस्तुओं का प्रयोग आदि उपायों से हम पर्यावरणीय स्थिति में सुधार ला सकते हैं। संगोष्ठी संयोजक भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया। कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने भी अपने विचार रखे। पंजाब ज्योग्राफर समिति के अध्यक्ष प्रो. एसपी कौशिक ने पर्यावरण तथा संसाधनों के प्रयोग के बारे में जानकारी दी। समिति संरक्षक प्रो. एचएस मंगत ने एसोसिएशन के कार्य-क्षेत्र व उद्देश्यों के बारे में बताया। एसोसिएशन के जीवन पर्यंत सदस्य व जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. धर्म सिंह संधू ने भी विचार व्यक्त किए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के प्रो. एमएस जागलान ने भी जरूरी जानकारियां प्रदान की। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. मंजू परुथी ने अतिथियों का आभार जताया। मंच संचालन वाणिज्य विभाग के शिक्षक डॉ. ईश्वर शर्मा ने किया। विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश भर से आए प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एनसीसी विंग में 20 विद्यार्थियों का चयन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) विंग में विद्यार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एनसीसी विंग के गठन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विंग विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम व सेवा के भाव को जागृत करने में मददगार साबित होगी। विश्वविद्यालय में एनसीसी अधिकारी डा. रमेश कुमार व डा. पायल चंदेल के प्रयासों से विद्यार्थियों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा व शारीरिक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से हुई इस पंजीकरण की प्रक्रिया को कर्नल एके सिंह, कर्नल हरप्रीत सिंह भिंडर, सूबेदार मेजर आर्नरी लेफ्टिनेंट जगमाल सिंह, सूबेदार मोहन देव शर्मा व एचएम राजेंद्र के सहयोग से पूर्ण किया गया। डा. रमेश कुमार व डा. पायल चंदेल ने बताया कि इस विंग के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर 35 छात्र-छात्राओं के आवेदन आए थे। 20 सीटों के लिए आयोजित चयन प्रक्रिया में सभी 35 विद्यार्थी लिखित परीक्षा व शारीरिक प्रतिस्पर्धा में सम्मिलित हुए और उनके प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित मेरिट को देखते हुए योग्य विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया है।

हकेंवि में एनसीसी विंग में पंजीकरण की प्रक्रिया करते अधिकारी ● सौ. प्रवक्ता

पर्यावरण के लिए तकनीक का उपयोग करने के लिए शोध की आवश्यकता

आइजीयू में राष्ट्रीय संगोष्ठी में केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति किया आह्वान

जागरण संवाददाता, रेवाड़ी: मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (आइजीयू) में भूगोल विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वाणिज्य विभाग के शिक्षक डा. ईश्वर शर्मा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है। 22वीं एसोसिएशन आफ पंजाब ज्योग्राफर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में मनुष्य, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी के बदलते प्रतिमान मुद्दे और चुनौतियां विषय पर व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया। मेजबान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जयप्रकाश यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि पर्यावरण अब एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनने के साथ काफी गंभीर हो चुका है। इस समय

संगोष्ठी में केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर प्रसाद का सम्मान करते आइजीयू के कुलपतिप्रो. जय प्रकाशयादव ● सौ. आइजीयू

तकनीक का प्रयोग पर्यावरण के हित में किस प्रकार किया जाए इस पर शोध करने की आवश्यकता है ताकि हम संपूर्ण जन कल्याण के विकास के लिए अपने आपको विकसित कर सके। सबका साथ सबका विकास में अब पर्यावरण, पशु पक्षियों व वनस्पति सभी को शामिल करने की आवश्यकता है।

कुलपति प्रो. जयप्रकाश यादव ने कहा कि कृषि के कार्यों में अनेक प्रकार के रसायनिक खादों तथा कीटनाशकों के प्रयोग से नई पर्यावरणीय चुनौती उत्पन्न हो गई है। औद्योगिक प्रदूषण व प्लास्टिक के प्रयोग से भी चुनौती और अधिक बन गई है। जलवायु के अनुरूप बीज, जल प्रबंधन, मृदा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक का प्रयोग करने की बजाय दूसरी वस्तुओं का प्रयोग आदि उपायों से हम पर्यावरणीय स्थिति में सुधार ला सकते हैं। इससे पहले संगोष्ठी के संयोजक भूगोल विभाग अध्यक्ष डा. विपिन कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने मनुष्य, पर्यावरण तथा तकनीक के विभिन्न संसाधनों की चर्चा करते हुए सुझाव दिए कि किस प्रकार तकनीकी युग में विभिन्न संसाधनों का प्रयोग पर्यावरण के हित में किया जा सकता है ताकि प्रकृति के वातावरण को स्वच्छ रखा जा सके।

पंजाब ज्योग्राफर समिति के अध्यक्ष प्रो. एसपी कौशिक ने पर्यावरण तथा संसाधनों के प्रयोग के बारे में बताया। समिति के संरक्षक प्रो. एचएस मंगत ने एसोसिएशन के कार्य-क्षेत्र व उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

एसोसिएशन के जीवन पर्यंत सदस्य व जगत गुरुनानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डा. धर्म सिंह संधू ने सभी को एक मंच पर आने और पर्यावरण के मुद्दों का समाधान करने के बारे में जागरूक किया। कुलसचिव डा. धर्म सिंह संधू और कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार को विभिन्न उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के प्रो. एमएस जागलान ने मानचित्रः दार्शनिक और राजनीतिक-ऐतिहासिक परिपेक्ष्य विषय पर व्याख्या की।

हकेंवि में एनसीसी विंग में पंजीकरण की प्रक्रिया संपन्न

■ विवि स्तर पर 35 छात्र-छात्राओं के आए थे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) विंग में विद्यार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एसीसी विंग के गठन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विंग विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम व सेवा के भाव को जागृत करने में मददगार साबित होगी।

महेंद्रगढ़। हकेंवि मे एनसीसी विंग मे पंजीकरण की प्रक्रिया करते अधिकारी।

विश्वविद्यालय में एनसीसी अधिकारी डॉ. रमेश कुमार व डॉ. पायल चंदेल के प्रयासों से विद्यार्थियों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा व शारीरिक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से हुई। इस पंजीकरण की प्रक्रिया को कर्नल एके सिंह, कर्नल हरप्रीत सिंह भिंडर, सूबेदार मेजर आर्नरी लेफ्टिनेंट जगमाल सिंह, सूबेदार मोहन देव शर्मा व एचएम राजेंद्र के सहयोग से पूर्ण किया गया। डॉ. रमेश कुमार व डॉ. पायल चंदेल ने बताया कि इस विंग के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर 35 छात्र-छात्राओं के आवेदन आए थे। जिनमें 20 सीटों के लिए आयोजित इस चयन प्रक्रिया में सभी 35 विद्यार्थी लिखित परीक्षा व शारीरिक प्रतिस्पर्धा में सम्मिलित हुए और उनके प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित मेरिट को देखते हुए योग्य विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया है।

पर्यावरण के हित में शोध करने की आवश्यकता: प्रो. टंकेश्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के भूगोल विभाग की ओर से शुक्रवार को 22वीं एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में मनुष्य, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी के बदलते प्रतिमानः मुद्दे और चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पर्यावरण अब एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है जो काफी गंभीर हो चुका है। इस समय तकनीक का प्रयोग पर्यावरण के हित में किस प्रकार से किया जाए इस पर शोध की आवश्यकता है ताकि हम संपूर्ण जन कल्याण के विकास के लिए अपने आप को विकसित कर सके। सबका साथ सबका विकास में अब पर्यावरण, पशु पक्षियों व वनस्पति सभी को शामिल करने की आवश्यकता है ताकि संपूर्ण प्रकृति का विकास हो सके। आईजीयू के कुलपति प्रो. जे पी यादव ने कहा कि कृषि के कार्यों में अनेक प्रकार के रसायनिक खादों तथा कीटनाशकों के प्रयोग से नई पर्यावरणीय चुनौती उत्पन्न हो गई है। औद्योगिक प्रदूषण व प्लास्टिक के प्रयोग से भी चुनौती ओर अधिक बन गई है। जलवायु तन्यक बीज, जल प्रबंधन, मृदा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक का प्रयोग करने की बजाय दूसरी वस्तुओं का प्रयोग आदि उपायों से हम पर्यावरणीय स्थिति में सुधार ला सकते हैं।

रेवाड़ी। संगोष्ठी में अतिथियों का सम्मान करते कुलपति व कुलसचिव।

पर्यावरण तथा संसाधनों के प्रयोग के बारे में बताया

पंजाब ज्योग्राफर समिति के अध्यक्ष प्रो. एसपी कौशिक ने पर्यावरण तथा संसाधनो के प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया। समिति के संरक्षक प्रो. एचएस मंगत ने एसोसिएशन के कार्य-क्षेत्र व उद्देश्यों को विस्तार से व्याख्या करते हुए पर्यावरण के बदलते तकनीकी स्वरूप को उजागर किया। एसोसिएशन के जीवन पर्यंत सदस्य व जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. धर्म सिंह संधू ने सभी से एक मंच पर आकर और पर्यावरण के मुद्दों का समाधान करने के बारे में कदम उठाने का आह्वान किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के प्रो. एमएस जागलान ने मानचित्र: दार्शनिक और राजनीतिक-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के मोजाइक विषय पर व्याख्या की। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. मंजू परुथी ने सभी अतिथियों का आभार जताया। मुख्यातिथि व एसोसिएशन के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन वाणिज्य विभाग के शिक्षक डॉ. ईश्वर शर्मा ने किया। दोपहर बाद विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश भर से आए प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है।

पंजाब केसरी
SAT,05 NOVEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

हकेंवि में एन.सी.सी. विंग में पंजीकरण की प्रक्रिया सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 4 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में एन.सी.सी. विंग में विद्यार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एन.सी.सी. विंग के गठन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह विंग विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम व सेवा के भाव को जागृत करने में मददगार साबित होगी।

विश्वविद्यालय में एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. रमेश कुमार व डॉ. पायल चंदेल के प्रयासों से विद्यार्थियों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा व शारीरिक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से हुई इस पंजीकरण की प्रक्रिया को कर्नल ए.के. सिंह, कर्नल हरप्रीत सिंह भिंडर, सूबेदार मेजर ऑनरेरी लैफ्टिनैंट जगमाल सिंह, सूबेदार मोहन देव शर्मा व एच.एम. राजेंद्र के सहयोग से पूर्ण किया गया।

डॉ. रमेश कुमार व डॉ. पायल चंदेल ने बताया कि इस विंग के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर 35 छात्र-छात्राओं के आवेदन आए थे, जिनमें 20 सीटों के लिए आयोजित इस चयन प्रक्रिया में सभी 35 विद्यार्थी लिखित परीक्षा व शारीरिक प्रतिस्पर्धा में सम्मिलित हुए और उनके प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित मैरिट को देखते हुए योग्य विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया है।

हकेंवि में एन.सी.सी. विंग में पंजीकरण की प्रक्रिया करते अधिकारी।

PVR CINEMAS (SCT - Amritsar | NOVELTY MALL - Pathankot | VRC MALL - Patiala | COSMO MALL - Zirakpur | MBD MALL - Jalandhar | CURO MALL - Jalandhar | FRIENDS - Jalandhar | CELEBRATION - Khanna | FLAMEZ MALL - Ludhiana | SILVER ARC CINEMA - Ludhiana | BHARTI PAVILION MALL - Ludhiana | NORTH COUNTRY MALL - Mohali | PIYUSH MALL - Faridabad | CROWN PLAZA - Faridabad | MGF - Gurgaon | AMBIENCE - Gurgaon | CITY CENTER - Gurgaon | MEGA MALL - Gurgaon | FUN CITY MALL - Panipat | DT CITY CENTER - Chandigarh | CENTRA MALL - Chandigarh | ELANTE MALL - Chandigarh | KC - Jammu) | MIRAJ CINEMA (Abohar | MGM CINEMAS - Dhuri | Pathankot | ENTER - Hoshiarpur | Hissar | Sonipat) | INOX CINEMAS (TRILIUM

पंजाब केसरी
SAT,05 NOVEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 3

आई.जी.यू. में 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

सबका साथ-सबका विकास में अब पर्यावरण, पशु-पक्षियों व वनस्पति को शामिल करने की आवश्यकता: प्रो. टंकेश्वर कुमार

रेवाड़ी, 4 नवम्बर (वधवा): इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के भूगोल विभाग द्वारा 22वीं एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में 'मनुष्य, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी के बदलते प्रतिमान: मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ और विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ किया गया।

उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने विद्वतापूर्ण वक्तव्य में कहा कि पर्यावरण अब एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है जो काफी गंभीर हो चुका है।

इस समय तकनीक का प्रयोग पर्यावरण के हित में किस प्रकार से किया जाए, इस पर शोध की आवश्यकता है ताकि हम संपूर्ण जन कल्याण के विकास के लिए अपने आप को विकसित कर सकें। सबका साथ-सबका विकास में अब पर्यावरण, पशु पक्षियों व वनस्पति सभी को शामिल करने की आवश्यकता है ताकि संपूर्ण प्रकृति का विकास हो सके।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों को सम्मानित करने का दृश्य। (वधवा)

सब एक मंच पर आएं और पर्यावरण के मुद्दों का समाधान करने बारे कदम उठाएं: डॉ. धर्म सिंह संधू

पंजाब ज्योग्राफर समिति के अध्यक्ष प्रो. एस.पी. कौशिक ने ऐतिहासिक परिचय देते हुए पर्यावरण तथा संसाधनों के प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया। समिति के संरक्षक प्रो. एच.एस. मंगत ने एसोसिएशन के कार्य-क्षेत्र व उद्देश्यों की विस्तार से व्याख्या करते हुए पर्यावरण के बदलते तकनीकी स्वरूप को उजागर किया।

एसोसिएशन के जीवन पर्यंत सदस्य व जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. धर्म सिंह संधू ने आह्वान किया कि सब एक मंच पर आएं और पर्यावरण के मुद्दों का समाधान करने के बारे में कदम उठाएं ताकि पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सके। एसोसिएशन द्वारा कुलसचिव डॉ. धर्म सिंह संधू और कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार को विभिन्न उपलब्धियों को प्राप्त करने पर सम्मानित भी किया गया।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव ने मुख्यातिथि और सभी अतिथिगणों का फूलों के गुलदस्ते से स्वागत किया। कुलपति प्रो. जे.पी. यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि के कार्यों में अनेक प्रकार के रासायनिक खादों तथा कीटनाशकों के प्रयोग से नई पर्यावरणीय चुनौती उत्पन्न हो गई है। औद्योगिक प्रदूषण व प्लास्टिक के प्रयोग से भी चुनौती और अधिक बन गई है। प्रो. यादव ने कहा कि जलवायु तन्यक बीज, जल प्रबंधन, मृदा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक का प्रयोग करने की बजाय दूसरी वस्तुओं का प्रयोग आदि उपायों से हम पर्यावरणीय स्थिति में सुधार ला सकते हैं।

इससे पूर्व संगोष्ठी के आयोजक भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में सभी को अवगत करवाया।

कुलसचिव प्रो. प्रमोद कुमार ने मनुष्य, पर्यावरण तथा तकनीक के विभिन्न संसाधनों की चर्चा करते हुए सभी का स्वागत किया। भूगोल के बदलते स्वरूप के बारे में सभी को विस्तार से बताया कि किस प्रकार तकनीकी युग में विभिन्न संसाधनों का प्रयोग पर्यावरण के हित में किया जा सकता है ताकि प्रकृति के वातावरण को स्वच्छ रखा जा सके।

संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के भूगोल विभाग के प्रो. एम.एस. जागलान ने 'मानचित्र: दार्शनिक और राजनीतिक - ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के मोज़ाइक' विषय पर विस्तार से व्याख्या की। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. मंजू परुथी ने सभी अतिथिगणों का धन्यवाद किया। इसके अतिरिक्त मुख्य अतिथि व एसोसिएशन के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन वाणिज्य विभाग के शिक्षक डॉ. ईश्वर शर्मा द्वारा किया गया।

दोपहर बाद विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश भर से आए प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार ने बताया कि इस संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

किशोरियों में विटामिन डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेवि की टीम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा। बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है।

किशोरियों में विटामिन डी की समस्या के समाधान खोजेगी टीम

हंकेविवि : अनुसंधान के लिए 30 लाख रुपये की मिली स्वीकृति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रो. डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा।

डॉ. अनिता कुमारी।

बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है।

तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है।

इस परियोजना के तहत विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण ी के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

किशोरियों में विटामिन डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेवि की टीम

हकेवि की डॉ. अनीता कुमारी को मिला एचएससीएसआईटी से प्रोजेक्ट

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा। बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है। इस परियोजना के तहत विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

अनुसंधान व विकास परियोजना के लिए 30 लाख की स्वीकृति

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फार साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी (एचएससीएसआइटी) ने 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआइटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डा. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा

डा. अनीता कुमारी ●

हरियाणा स्टेट काउंसिल फार साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी ने हकेंवि की डा. अनीता कुमारी को दी है अनुदान राशि

और विटामिन-डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा। हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डा. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआइटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा विज्ञानियों के माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की लड़कियों में हाइपोविटमोनिस-डी के प्रसार व लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से स्थायी समाधान का आकलन करना है।

इस परियोजना के तहत विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

किशोरियों में विटामिन-डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेंवि की टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एचएससीएसआईटी) ने 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एचएससीएसआईटी से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन-डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा। बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाइपोटाविटामोनिस-डी के प्रबंधन के लिए विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। तीन वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। एचएससीएसआईटी का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाइपोविटमोनिस-डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है। इस परियोजना के तहत विटामिन-डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. क्रांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

■ हकेंवि की डॉ. अनीता कुमारी को मिला एचएससीएस आईटी से प्रोजेक्ट

किशोरियों में विटामिन डी की समस्या का समाधान खोजेगी हकेंवि की टीम

■ डॉ. अनीता कुमारी को मिला एच.एस.सी.एस.आई.टी. से प्रोजेक्ट

महेंद्रगढ़, 7 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में सहायक प्रो. डॉ. अनीता कुमारी को उनके अनुसंधान और विकास परियोजना के लिए हरियाणा स्टेट काऊंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टैक्नोलॉजी (एच.एस.सी.एस.आई.टी.) ने 30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है।

डॉ. अनीता।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने एच.एस.सी.एस.आई.टी. से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए डॉ. अनीता कुमारी सहित परियोजना टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विटामिन डी की कमी के प्रबंधन के स्थायी समाधान में मददगार साबित होगा।

बता दें कि हरियाणा की किशोरियों में हाईपोटाविटामोनिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास शीर्षक के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना को मंजूरी दी है। 3 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत इस अनुसंधान परियोजना में डॉ. अनीता कुमारी प्रधान अन्वेषक तथा विश्वविद्यालय की जैव रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. नीलम सांगवान व सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह सह-प्रधान अन्वेषक के रूप अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना एच.एस.सी.एस.आई.टी. का मुख्य कार्य

एच.एस.सी.एस.आई.टी. का कार्य समाज पर सीधा प्रभाव डालने वाले नवीन अनुसंधान आइडिया को युवा वैज्ञानिकों में माध्यम से समाज तक पहुंचाना है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं हरियाणा की किशोर लड़कियों में हाईपोविटमोनिस डी के प्रसार और लक्षित आबादी के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों को पेश करने के माध्यम से इसके स्थायी समाधान का आकलन करना है।

इस परियोजना के तहत विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी को प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय आबादी के बीच प्रचारित किया जाएगा जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और लक्षित बीमारी के प्रबंधन में सहायक होगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना टीम को बधाई दी।

हकेंवि : हृदय गति रुकने का कारण बताया

डॉ. श्याम बंसल को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में जीव विज्ञान विभाग की ओर से विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. श्याम बंसल, सहायक आचार्य, फिजियोलॉजी और सेल बायोलॉजी विभाग, कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वक्ता डॉ. श्याम बंसल का आभार व्यक्त करते हुए ऑफलाइन आमंत्रित वार्ता के महत्व और पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुल गीत के साथ हुई। डॉ. श्याम बंसल ने इस्केमिक हार्ट फेल्योर में टी सेल्स की भूमिका पर चर्चा की। डॉ. बंसल ने हृदय गति रुकने के कारणों के बारे में बताते हुए रोग के विकास में टी सेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि ये कोशिकाएं हृदय गति रुकने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने भारतीय छात्रों के लिए यूएसए में एमएससी और पीएचडी के उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

हृदय गति रुकने के कारण और रोग के विकास में टी सेल की भूमिका पर विशेषज्ञ ने प्रकाश डाला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग ने द्वारा विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. श्याम बंसल, सहायक आचार्य, फिजियोलॉजी और सेल बायोलॉजी विभाग, कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए एक वक्ता के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वक्ता डॉ. श्याम बंसल का आभार व्यक्त करते हुए ऑफलाइन आमंत्रित वार्ता के महत्त्व और पाठ्यक्रम में इसके महत्त्व पर जोर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। डॉ. श्याम बंसल ने इस्केमिक हार्ट फेल्योर में टी सेल्स की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ बंसल ने हृदय गति रूकने के कारणों बारे में बताया और रोग के विकास में टी सेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने यूएसए में एमएससी और पीएचडी छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। इससे पूर्व पोषण जीव विज्ञान विभाग की छात्रा सुश्री ईशा ने अतिथि का स्वागत किया और महिमा ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में नीरू ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. कांति प्रकाश, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान और विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. श्याम बंसल का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में यूएसए के सहायक आचार्य डा. श्याम बंसल का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार(बाएं से दूसरे) ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में मंगलवार को पोषण जीव विज्ञान विभाग ने विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वक्ता डा. श्याम बंसल का आभार व्यक्त करते हुए आफलाइन आमंत्रित वार्ता के महत्त्व और पाठ्यक्रम में इसके महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में सहायक आचार्य, फिजियोलाजी और सेल बायोलाजी विभाग, कालेज आफ मेडिसिन, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहायक आचार्य डा. श्याम बंसल वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। डा. श्याम बंसल ने इस्केमिक हार्ट फेल्योर में टी सेल्स की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने हृदय गति रुकने के कारणों के बारे में बताया और रोग के विकास में टी सेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय छात्रों के लिए यूएसए में एमएससी और पीएचडी छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। मौके पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. कांति प्रकाश, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान और विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हमें पर्यावरण का करना चाहिए संरक्षण

संस, महेंद्रगढ़ : संस्कार शिक्षा भारती डिग्री कालेज व स्कूल में गुरु नानक जयंती पर पर्यावरण संरक्षण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डा. टंकेशवर कुमार मुख्य अतिथि रहे।

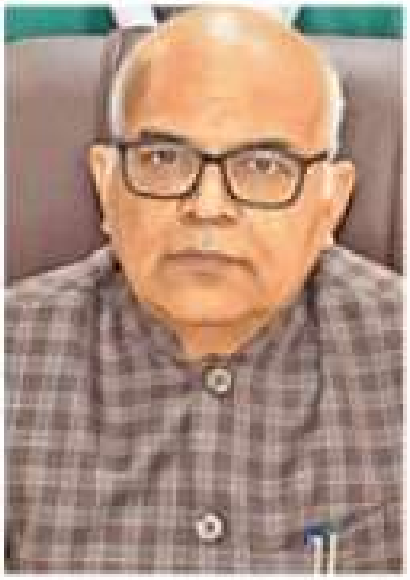

प्रो. टंकेश्वर कुमार

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें पर्यावरण का संरक्षण करना चाहिए और जैसे हमारी पिछली पीढ़ी ने हमें साफ व शुद्ध पर्यावरण सौंपा है इसी प्रकार हमें भी अगली पीढ़ी को साफ और शुद्ध पर्यावरण सौंपना है। इसी उपलक्ष्य मे डिग्री कालेज में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 251 पौधे (नीम, जामुन, पीपल) रोपे। विद्यालय के एमडी संदीप यादव ने कहा कि विद्यालय , गांव एवं आसपास के सभी क्षेत्रों को हरा भरा रखने में पूर्ण योगदान देंगे। क्योंकि हम हरियाणा के वासी हैं और हम पेड़ काटने नहीं पौधे लगाने में विश्वास रखते हैं। हमारे हरियाणा को कहा गया है हरी भरी हरियाली वाला यह मेरा हरियाणा और उस हरियाली को हम कम नहीं होने देंगे, दिन-प्रतिदिन पौधे लगाएंगे व हरियाली बढ़ाएंगे यही हमारा संकल्प है। मौके पर विद्यार्थी व स्टाफ उपस्थित रहा।

आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

इस्केमिक हार्ट फेल्योर में टी सेल्स की भूमिका पर चर्चा

यूएसए के डॉ. श्याम बंसल रहे उपस्थित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पोषण जीव विज्ञान विभाग की ओर से विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डा. श्याम बंसल, सहायक आचार्य, फिजियोलॉजी व सेल बायोलॉजी विभाग कॉलेज ऑफ मेडिसिन ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए एक वक्ता के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वक्ता डा. श्याम बंसल का आभार व्यक्त करते हुए ऑफलाइन आमंत्रित वार्ता के महत्व और पाठ्यक्रम में इसके महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर डा. श्याम बंसल ने इस्केमिक हार्ट फेल्योर में टी सेल्स की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। बंसल ने हृदय गति रुकने के कारणों बारे में बताया और रोग के विकास में टी सेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि ये कोशिकाएं हृदय गति रोकने में मददगार साबित हो सकती है। उन्होंने भारतीय छात्रों के लिए यूएसए में एमएससी व पीएचडी छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। इससे पूर्व पोषण जीव विज्ञान विभाग की छात्रा ईशा ने अतिथि का स्वागत किया और महिमा ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में नीरू ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. क्रांति प्रकाश, प्रो. सुरेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। डॉ. श्याम बंसल का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत करते कुलपति।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

■ यू.एस.ए. के डॉ. श्याम बंसल रहे उपस्थित

डॉ. श्याम बंसल का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (विजय कौशिक)

नारनौल, 8 नवंबर (विजय कौशिक) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग ने द्वारा विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. श्याम बंसल, सहायक आचार्य, फिजियोलॉजी और सेल बायोलॉजी विभाग, कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए एक वक्ता के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वक्ता डॉ. श्याम बंसल का आभार व्यक्त करते हुए ऑफलाइन आमंत्रित वार्ता के महत्त्व और पाठ्□क्रम में इसके महत्त्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। डॉ. श्याम बंसल ने इस्केमिक हार्ट फेल्योर में टी सेल्स की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ बंसल ने हृदय गति रूकने के कारणों बारे में बताया और रोग के विकास में टी सेल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि ये कोशिकाएं हृदय गति रूकने में मददगार साबित हो सकती हैं।

उन्होंने भारतीय छात्रों के लिए यूएसए में एमएससी और पीएचडी छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। इससे पूर्व पोषण जीव विज्ञान विभाग की छात्रा सुश्री ईशा ने अतिथि का स्वागत किया और सुश्री महिमा ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय दिया।

कार्यक्रम के अंत में सुश्री नीरू ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. कांति प्रकाश, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान और विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

एनर्जी एंड पावर क्षेत्र में संभावनाएं एवं चुनौती विषय पर किया सम्मेलन

संवाद न्यूज एजेंसी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

कुल 173 शोधपत्र प्राप्त हुए, 82 प्रस्तुतिकरण के लिए चुने

हकेंविवि के इंजीनियरिंग विभाग ने किया आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन किया गया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आने वाले इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एनआईटी कुरुक्षेत्र से डीन शैक्षणिक अधिष्ठता प्रो. सथहंस मुख्यातिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्मार्ट और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी की एनर्जी व पावर के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण और ऊर्जा के क्षेत्र में जारी बदलावों के साथ-साथ तकनीकी विकास से हो रहे सुधार व नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने ऊर्जा, संसाधनों के विकास में प्रौद्योगिकी के सकारात्मक उपयोग व विकास पर जोर दिया। मुख्य वक्ता प्रो. सथहंस ने अपने अनुभवों के आधार पर नई तकनीक के माध्यम से इस क्षेत्र में सतत विकास की विभिन्न संभावनाओं को प्रदर्शित किया। पीठ के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में शुरू प्रयास की सराहना की। इलेक्ट्रिल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे ने बताया कि इस सम्मेलन के लिए कुल 173 शोधपत्र प्राप्त हुए जिनमें से 82 शोधपत्र प्रस्तुतिकरण के लिए चुने गए।

कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. मुरलीधर नायक, जी.हेमाकुमार रेड्डी, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. सुमित सैनी सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उन्होंने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हंकेवि ने अजमेर को पांच विकेट से हराया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 18वीं ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट टी-20 कप टूर्नामेंट में मेजबान टीम एचएयू ब्लू ने शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर को 59 रन हराया। टूर्नामेंट में बुधवार को हरियाणा बोर्ड ऑफ स्कूल एजूकेशन के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने की। पहले मुकाबले में एचएयू हिसार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 148 रन बनाए। जवाब में शिवाजी विश्वविद्यालय की पूरी टीम 89 रन पर सिमट गई और एचएयू (ब्लू) ने 59 रन से मैच जीत लिया। दूसरे मैच में एमडीएस अजमेर और सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा (महेंद्रगढ़) के बीच खेला गया। एमडीएस अजमेर ने 132 रन का लक्ष्य दिया, जिसे सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा की टीम ने पांच बॉल शेष रहते 5 विकेट पर हासिल कर लिया। ब्यूरो

स्मार्ट और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी की एनर्जी व पावर के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं व चुनौतियों पर प्रकाश डाला

हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

महेंद्रगढ़ | हकेवि में स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आने वाले इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एनआईटी कुरुक्षेत्र से डीन शैक्षणिक अधिष्ठता प्रो. सथहंस मुख्यातिथि व वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में स्मार्ट और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी की एनर्जी व पावर के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में आयोजित इस सम्मेलन में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण और ऊर्जा के क्षेत्र में जारी बदलावों के साथ-साथ तकनीकी विकास से हो रहे सुधार व नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया। विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने ऊर्जा, संसाधनों के विकास में प्रौद्योगिकी के सकारात्मक उपयोग व विकास पर जोर दिया। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. सथहंस ने अपने संबोधन में अपने अनुभवों के आधार पर नई तकनीक के माध्यम से इस क्षेत्र में सतत विकास की विभिन्न संभावनाओं को प्रदर्शित किया। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे ने बताया कि इस सम्मेलन के लिए कुल 173 शोधपत्र प्राप्त हुए जिनमें से 82 शोधपत्र प्रस्तुतिकरण के लिए चुने गए। इस आयोजन में आईआईटी, एनआईटी और विश्वविद्यालयों से संबद्ध विशेषज्ञों ने विशेष संबोधन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. मुरलीधर नायक, जी.हेमाकुमार रेड्डी, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. सुमित सैनी सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। आयोजन के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

तकनीक पर दिया जा रहा है अधिक जोर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) महेंद्रगढ़ में स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टेक्नोलाजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अंतर्गत आने वाले इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एनआइटी कुरुक्षेत्र से डीन शैक्षणिक अधिष्ठता प्रो. सथहंस मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में स्मार्ट और सस्टेनेबल टेक्नोलाजी की एनर्जी व पावर के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तकनीक पर अधिक जोर दिया जा रहा है। सम्मेलन में सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण व ऊर्जा के क्षेत्र में जारी बदलावों के साथ-साथ

वेबीनार में भाग लेते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टेक्नोलाजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम विषय पर सम्मेलन का किया गया आयोजन

तकनीकी विकास से हो रहे सुधार व नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने ऊर्जा, संसाधनों के विकास में प्रौद्योगिकी के सकारात्मक उपयोग व विकास पर जोर दिया। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. सथहंस ने अपने संबोधन में अपने अनुभवों के आधार पर नई तकनीक के माध्यम से इस क्षेत्र में सतत विकास की विभिन्न संभावनाओं को प्रदर्शित किया। पीठ के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में शुरू प्रयास की सराहना की और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डा. राजेश कुमार दुबे ने बताया कि इस सम्मेलन के लिए कुल 173 शोधपत्र प्राप्त हुए। जिनमें से 82 शोधपत्र प्रस्तुतिकरण के लिए चुने गए। इस आयोजन में आइआइटी, एनआईटी और विश्वविद्यालयों से संबद्ध विशेषज्ञों ने विशेष संबोधन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के आयोजन में डा. मुरलीधर नायक, जी हेमाकुमार रेड्डी, डा. मनीष कुमार, डा. सुमित सैनी सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। आयोजन के अंत में विभागाध्यक्ष डा. राजेश कुमार दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकृवि ने कोल्हापुर को, सीयू ने एमडीएस को चटाई धूल

मैच का शुभारंभ करते डॉ. जगबीर सिंह व साथ में हैं कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। -निस

हिसार, 9 नवंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वीं ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में रोचक मुकाबले जारी हैं। टूर्नामेंट के आज के मुकाबलों में मुख्य मेहमान हरियाणा बोर्ड ऑफ स्कूल एजूकेशन के पूर्व चेयरमेन डॉ. जगबीर सिंह थे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की।

डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि क्रिकेट जैसे खेलों से स्वास्थ्य और उत्साह तो बढ़ता ही है, इसके साथ-साथ आपसी एकता तथा भाईचारा का विकास भी होता है। ऐसे टूर्नामेंट के समय जब सभी टीमें आपस में एक दूसरे से खेलती हैं, एक परिवार बन जाता है और यह क्रिकेट के खेल की एक बड़ी उपलब्धि है। प्रचार प्रभारी डॉ. संदीप आर्य ने बताया कि मेजबान टीम सीसीएसएचएयू (ब्लू) हिसार ने शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर को 59 रन से हराया। इसी प्रकार से सीयू महेन्द्रगढ़ ने एमडीएस अजमेर को पांच विकेट से पराजीत किया। वहीं, शिवाजी विश्वविद्यालय ने केबीसी जलगांव को सात विकेट से शिरकत दी, जबकि सकॉस्ट कश्मीर ने गुजवि हिसार को छह विकेट से और मुम्बई विश्वविद्यालय ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को छह विकेट से धूल चटाई।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 10 November 2022
https://epaper.dainiktribun

महेंद्रगढ़। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम विषय पर की चर्चा

■ प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने ऊर्जा, संसाधनों के विकास में प्रौद्योगिकी के सकारात्मक उपयोग व विकास पर जोर दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आने वाले इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एनआईटी कुरुक्षेत्र से डीन शैक्षणिक अधिष्ठता प्रो. सथहंस मुख्यातिथि व वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में स्मार्ट और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी की एनर्जी व पावर के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में आयोजित इस सम्मेलन में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण और ऊर्जा के क्षेत्र में जारी बदलावों के साथ-साथ तकनीकी विकास से हो रहे सुधार व नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया। विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने ऊर्जा, संसाधनों के विकास में प्रौद्योगिकी के सकारात्मक उपयोग व विकास पर जोर दिया। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. सथहंस ने अपने संबोधन में अपने अनुभवों के आधार पर नई तकनीक के माध्यम से इस क्षेत्र में सतत विकास की विभिन्न संभावनाओं को प्रदर्शित किया। पीठ के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में शुरू प्रयास की सराहना की और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। डॉ. राजेश कुमार दुबे ने बताया कि इस सम्मेलन के लिए कुल 173 शोधपत्र प्राप्त हुए।

'स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टैक्नोलॉजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

महेंद्रगढ़, 9 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेन्द्रगढ़ में स्मार्ट एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी इन एनर्जी एंड पावर सिस्टम विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अंतर्गत आने वाले इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र से डीन शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. सथहंस मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में स्मार्ट और सस्टेनेबल टैक्नोलॉजी की एनर्जी व पावर के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस सम्मेलन में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पर्यावरण और ऊर्जा के क्षेत्र में जारी बदलावों के साथ-साथ तकनीकी विकास से हो रहे सुधार व नुक्सान की ओर ध्यान आकर्षित किया। विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने ऊर्जा, संसाधनों के विकास में प्रौद्योगिकी के सकारात्मक उपयोग व विकास पर जोर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. सथहंस ने अपने संबोधन में अपने अनुभवों के आधार पर नई तकनीक के माध्यम से इस क्षेत्र में सतत विकास की विभिन्न संभावनाओं को प्रदर्शित किया।

पीठ के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में शुरू प्रयास की सराहना की और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

कुल 173 शोधपत्र हुए प्राप्त, 82 प्रस्तुतिकरण के लिए चयनित

आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए इलैक्ट्रिल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे ने बताया कि इस सम्मेलन के लिए कुल 173 शोधपत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 82 शोधपत्र प्रस्तुतिकरण के लिए चुने गए।

इस आयोजन में आई.आई.टी., एन.आई.टी. और विश्वविद्यालयों से संबद्ध विशेषज्ञों ने विशेष संबोधन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. मुरलीधर नायक, जी. हेमाकुमार रैड्डी, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. सुमीत सैनी सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

आयोजन के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हंकेवि ने पंजाबी विवि को 6 विकेट से हराया

मैन ऑफ द मैच मनोज बिष्ट ने 33 गंदों पर बनाए 40 रनों में लगाए छह चौके, कुलपति ने की सराहना

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हंकेवि) हिसार में चल रहे आल इंडिया वीसी कप-2022 के अंतर्गत आयोजित रोमांचक मुकाबले में हकेंवि महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाल की टीम ने छह विकेट से मात दी।

इतना ही नहीं सबसे अधिक रनों का पीछा करते हुए जीत का रिकॉर्ड भी हकेंवि टीम के नाम रहा। पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला आल इंडिया वीसी कप-2021 की उप विजेता भी रही थी। हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऐसे ही आयोजनों में विश्वविद्यालय में उपस्थित प्रतिभागियों को रोजमर्रा के कार्यों से इतर अपने कौशल के प्रदर्शन का अवसर मिलता है।

बता दें कि पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के बीच वीरवार को हुए मैच में मैन ऑफ द मैच का खिताब मनोज बिष्ट को मिला, जिन्होंने 33 गेंदों पर 40 रनों की शानदार पारी खेली। इसमें 6 चौके शामिल रहे। इसी तरह मनोज ने 4 ओवर में 23 रन देकर विपक्षी टीम के दो विकेट भी चटकाए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि यह जीत पूरे विश्वविद्यालय की जीत है और भविष्य में भी इस तरह के प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा।

ऑल इंडिया वीसी कप-2022 में हकेंवि व पंजाबी विश्वविद्यालय की टीम। विज्ञप्ति

राष्ट्रीय सेमिनार की विवरणिका जारी करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

हकेंवि में स्नातकोत्तर कोर्सों में दाखिले के लिए आज होगी ओपन फिजिकल काउंसिलिंग

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए शुक्रवार को ओपन फिजिकल काउंसिलिंग का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला कार्यक्रम के संबंध में स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विद्यार्थियों को अधिकतम अवसर उपलब्ध कराने की

दिशा में अब तीसरी ऑनलाइन काउंसिलिंग के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटों पर शुक्रवार को फिजिकल काउंसिलिंग के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन फिजिकल काउंसिलिंग का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ओपन फिजिकल काउंसिलिंग हेतु विद्यार्थियों को संबंधित विभाग में सुबह 9 से दोपहर 1 बजे के बीच विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना होगा। उन्होंने बताया कि ओपन फिजिकल काउंसिलिंग में विद्यार्थियों को अपने दस्तावेजों की मूल प्रति के साथ एक सेट फोटोकॉपी लानी आवश्यक है। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसिलिंग का शेड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। संवाद

राष्ट्रीय सेमिनार इकोनॉमी 75 की विवरणिका जारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इकोनॉमी, 75 विषय पर 16 नवंबर को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की विवरणिका का विमोचन किया। कुलपति ने बताया कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र के आर्थिक विकास एवं समृद्धि पर चर्चा करना अति आवश्यक है ताकि हम देश को विश्व गुरु बनाने की दिशा में और बेहतर प्रयास किए जा सके। संवाद

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए आज होगी ओपन फिजिकल काउंसलिंग

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए आज ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला कार्यक्रम के संबंध में स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विद्यार्थियों को अधिकतम अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में अब तीसरी ऑनलाइन काउंसिलिंग के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटों पर आज शुक्रवार को फिजिकल काउंसिलिंग के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन फिजिकल काउंसिलिंग हेतु विद्यार्थियों को संबंधित विभाग में प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना होगा।

स्नातकोत्तर के लिए आज होगी ओपन फिजिकल काउंसलिंग

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए शुक्रवार को ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला कार्यक्रम के संबंध में स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए विद्यार्थियों को अधिकतम अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में अब तीसरी आनलाइन काउंसलिंग के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटों पर शुक्रवार को फिजिकल काउंसलिंग के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल आफिसर डा. फूल सिंह ने बताया कि

काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे के बीच हकेंवि के संबंधित विभाग में करना होगा रिपोर्ट

विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए शुक्रवार को ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। ओपन फिजिकल काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को संबंधित विभाग में सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे के बीच विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना होगा। ओपन फिजिकल काउंसलिंग में विद्यार्थियों को अपने दस्तावेज की मूल प्रति के साथ एक सेट फोटोकापी लानी आवश्यक है। डा. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शेड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण और अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

राष्ट्र के आर्थिक विकास और समृद्धि पर चर्चा करना जरूरी

राष्ट्रीय सेमिनार की विवरणिका जारी करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर(बाएं से दूसरे)

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, के अर्थशास्त्र विभाग में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इकोनमी @75 विषय पर16 नवंबर को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होने जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कार्यक्रम की विवरणिका का विमोचन किया। कुलपति ने इस राष्ट्रीय सेमिनार का महत्व बताते हुए कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र के आर्थिक विकास एवं समृद्धि पर चर्चा करना अति आवश्यक है, ताकि हम भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में और बेहतर प्रयास कर सकें। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर आंबेडकर स्कूल आफ इकानामिक्स (बीएएसई), बेंगलुरु के कुलपति प्रोफेसर एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहेंगे। सेमिनार के संयोजक डा. अजीत साहू एवं सह संयोजक डा. रश्मि तंवर ने बताया कि वस्तुतः यह राष्ट्रीय सेमिनार भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 75 वर्षों की यात्रा, इसके उतार-चढ़ाव एवं विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा करने का एक प्रयास है।

इस सेमिनार में पांच उप विषयों के 25 विभिन्न आयामों पर शोध पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में संपूर्ण भारत के विभिन्न संस्थानों के शिक्षक, अर्थशास्त्री एवं शोधार्थी शामिल होंगे। इस संगोष्ठी के लिए देश के विभिन्न भागों से सेमिनार के विभिन्न आयामों पर मूल शोधपत्र से प्राप्त हो रहे हैं।

हकेंवि ने पंजाबी को छह विकेट से हराया

- आल इंडिया वीसी कप-2022 टूर्नामेंट में टीमों ने लिया हिस्सा
- मनोज बिष्ट को मिला मैन आफ द मैच का खिताब

आल इंडिया वीसी कप 2022 में हकेंवि व पंजाबी विश्वविद्यालय की टीम ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में चल रहे आल इंडिया वीसी कप-2022 के अंतर्गत आयोजित एक रोमांचक मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रनों का पीछा करते हुए पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला की टीम को छह विकेट से करारी शिकस्त दी।

पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला आल इंडिया वीसी कप-2021 की उपविजेता रही है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे ही आयोजनों में विश्वविद्यालय में उपस्थित प्रतिभागियों को रोजमर्रा के कार्यों से इतर अपने कौशल के प्रदर्शन का अवसर मिलता है। उन्होंने विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम को प्रतियोगिता के आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं दीं। पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के बीच बृहस्पतिवार को हुए मैच में मैन आफ द मैच का खिताब मनोज बिष्ट को मिला, जिन्होंने 33 गेंदों पर 40 रनों की शानदार पारी खेली। इसमें छह चौके शामिल रहे। इसी तरह मनोज ने चार ओवर में 23 रन देकर विपक्षी टीम के दो विकेट भी चटकाए। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रही है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत पूरे विश्वविद्यालय की जीत है और भविष्य में भी इस तरह के टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा।

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए आज होगी ओपन फिजिकल काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए 11 नवंबर को ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला कार्यक्रम के संबंध में स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विद्यार्थियों को अधिकतम अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में अब तीसरी ऑनलाइन काउंसलिंग के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटों पर शुक्रवार को फिजिकल काउंसलिंग के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए आज ओपन फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ओपन फिजिकल काउंसलिंग हेतु विद्यार्थियों को संबंधित विभाग में प्रातः नौ बजे से दोपहर एक बजे के बीच विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में रिपोर्ट करना होगा।

हकेंवि ने पंजाबी विवि को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में चल रहे ऑल इंडिया वीसी कप-2022 के अंतर्गत आयोजित एक रोमांचक मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रनों का पीछा करते हुए पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला की टीम को छह विकेट से करारी शिकस्त दी। यहां बता दें कि पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला आल इंडिया वीसी कप-2021 की उपविजेता रही है। हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रतियोगिता में क्रिकेट टीम के उल्लेखनीय प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे ही आयोजनों में विश्वविद्यालय में उपस्थित प्रतिभागियों को रोजमर्रा के कार्यों से अपने कौशल के प्रदर्शन का अवसर मिलता है। उन्होंने विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम को प्रतियोगिता के आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं दी। बता दें कि पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के बीच गुरुवार को हुए मैच में मैन ऑफ द मैच का खिताब मनोज बिष्ट को मिला, जिन्होंने 33 गेंदों पर 40 रनों की शानदार पारी खेली। इसमें छह चौके शामिल रहे। इसी तरह मनोज ने चार ओवर में 23 रन देकर विपक्षी टीम के दो विकेट भी चटकाए। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रही है।

महेंद्रगढ़। आल इंडिया वीसी कप में हकेंवि व पंजाबी विश्वविद्यालय की टीम।

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए ओपन फिजिकल काऊंसलिंग आज

महेंद्रगढ़, 10 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए आज ओपन फिजिकल काऊंसलिंग का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिला कार्यक्रम के संबंध में स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विद्यार्थियों को अधिकतम अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में अब तीसरी ऑनलाइन काऊंसलिंग के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटों पर शुक्रवार को फिजिकल काऊंसलिंग के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया किओपन फिजिकल काऊंसलिंग हेतु विद्यार्थियों को संबंधित विभाग में प्रात: 9 से दोपहर 1 बजे के बीच रिपोर्ट करना होगा। विद्यार्थियों को अपने दस्तावेजों की मूल प्रति के साथ एक सैट फोटोकॉपी लानी आवश्यक है। ओपन काऊंसलिंग का शैड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर उपलब्ध है।

'राष्ट्रीय सैमिनार इकोनॉमी @ 75' की विवरणिका जारी

राष्ट्रीय सैमिनार की विवरणिका जारी करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

महेंद्रगढ़, 10 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इकोनॉमी @ 75 विषय पर आगामी 16 नवम्बर को राष्ट्रीय सैमिनार का आयोजन होने जा रहा है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की विवरणिका का विमोचन किया। कुलपति ने इस राष्ट्रीय सैमिनार का महत्व बताते हुए कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र के आर्थिक विकास एवं समृद्धि पर चर्चा करना अति आवश्यक है, ताकि हम भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में और बेहतर प्रयास किए जा सके।

सैमिनार के उदघाट्न सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स (बी.ए.एस.ई.), बैंगलोर के कुलपति प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति उपस्थित रहेंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

सैमिनार के संयोजक डॉ. अजीत कुमार साहू एवं सह-संयोजक डॉ. रश्मि तंवर ने बताया कि वस्तुत: यह राष्ट्रीय सैमिनार भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 75 वर्षों की यात्रा, इसके उतार-चढ़ाव एवं विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा करने का एक प्रयास है। इस सैमिनार में 5 उपविषयों के 25 विभिन्न आयामों पर शोध पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

इस एक दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार में संपूर्ण भारत के विभिन्न संस्थानों के शिक्षक, अर्थशास्त्री एवं शोधार्थी शामिल होंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग समय-समय पर अर्थव्यवस्था से जुड़े समकालीन मुद्दों पर चर्चा करता रहा है।

इस संगोष्ठी के लिए भी देश के विभिन्न भागों से सैमिनार के विभिन्न आयामों पर मूल शोधपत्र से प्राप्त हो रहे हैं, जिससे यह राष्ट्रीय सैमिनार भारतीय अर्थव्यवस्था के ऐतिहासिक, वर्तमान एवं भावी पहलुओं का समग्रता से विश्लेषण करने के साथ-साथ वैश्विक परिदृश्य के साथ इसकी महती भूमिका को भी रेखांकित करेगा।

हकेंवि ने पंजाबी विश्वविद्यालय को 6 विकेट से हराया

आल इंडिया वी.सी. कप-2022 में हकेंवि व पंजाबी विश्वविद्यालय की टीमें।

महेंद्रगढ़, 10 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में चल रहे आल इंडिया वी.सी. कप-2022 के अंतर्गत आयोजित एक रोमांचक मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने इस टूर्नामैंट में सबसे अधिक रनों का पीछा करते हुए पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला की टीम को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। यहां बता दें कि पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला आल इंडिया वी.सी. कप-2021 की उपविजेता रही है।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रतियोगिता में क्रिकेट टीम के उल्लेखनीय प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे ही आयोजनों में विश्वविद्यालय में उपस्थित प्रतिभागियों को रोजमर्रा के कार्यों से इतर अपने कौशल के प्रदर्शन का अवसर मिलता है। उन्होंने विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम को प्रतियोगिता के आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत पूरे विश्वविद्यालय की जीत है और भविष्य में भी इस तरह के टूर्नामैंट में भाग लेने के लिए स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की हुई शुरूआत

नीरज कौशिक

हकेवि में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा सोमवार को बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजनों के साथ राष्ट्रीय पुस्कतालय सप्ताह की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व व मार्गदर्शन में आयोजित इस सप्ताह के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, स्थानीय विद्यालयों के बच्चों व विश्वविद्यालय शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रिडिंग कम्पीटिशन व टेलेंट हंट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न प्रतिभाओं को जानने-समझने व उनको उपयुक्त मंच प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि इस तरह के आयोजन विश्वविद्यालय में जारी अध्ययन-अध्यापन व शोध के बीच सामाजिक सरोकारों को स्थापित करते हुए सभी सहभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने इस आयोजन से जुड़ें आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय एक ऐसी संस्था है जहां रोजाना कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है।

विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनिता मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों के बच्चों के बीच कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रिडिंग कम्पीटिशन व टेलेंट हंट प्रतियोगिताओं के साथ आरंभ हुए इस सप्ताह में 15 नवंबर को पुस्तकालय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से राजकीय विद्यालय, जांट के विद्यार्थी पुस्तकालय प्रणाली से अवगत होंगे।

इसी क्रम में 16 नवंबर को बुकमार्क प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए किया जाएगा। इसी तरह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 17 नवंबर को रंगोली प्रतियोगिता व 18 नवंबर को बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. वी.एन.यादव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. अजयपाल, उपपुस्ताकलयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्कतालयाध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

बाल दिवस के अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

हकेंवि में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की शुरुआत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा सोमवार को बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजनों के साथ राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व व मार्गदर्शन में आयोजित इस सप्ताह के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, स्थानीय विद्यालयों के बच्चों व विश्वविद्यालय शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रिडिंग कंपीटिशन व टेलेंट हंट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि अवश्य ही इस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न प्रतिभाओं को जानने-समझने व उनको उपयुक्त मंच प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि इस तरह के आयोजन विश्वविद्यालय में जारी अध्ययन-अध्यापन व शोध के बीच सामाजिक सरोकारों को स्थापित करते हुए सभी सहभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों के बच्चों के बीच कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रिडिंग कम्पीटिशन व टेलेंट हंट प्रतियोगिताओं के साथ आरंभ हुए मंगलवार को पुस्तकालय जागरूकता शिविर लगाया जाएगा जिसमें मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से राजकीय विद्यालय, जांट के विद्यार्थी पुस्तकालय प्रणाली से अवगत होंगे। इसी क्रम में 16 नवंबर को बुकमार्क प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए किया जाएगा। इसी तरह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 17 नवंबर को रंगोली प्रतियोगिता व 18 नवंबर को बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. दिनेश चहल, प्रो.प्रमोद कुमार, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. वीएन यादव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. अजयपाल, उप पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुई राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की शुरुआत

बाल दिवस पर केंद्रीय पुस्तकालय में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हुआ शुभारंभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि के पंडित दीनदयाल दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा सोमवार को बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजनों के साथ राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व व मार्गदर्शन में आयोजित इस सप्ताह के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, स्थानीय विद्यालयों के बच्चों, व विश्वविद्यालय शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रीडिंग कम्पीटिशन व टेलेंट हंट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न प्रतिभाओं को जानने-समझने व उनको उपयुक्त मंच प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम के संबंध में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने बताया कि राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह आयोजित करने का उद्देश्य पढ़ने की आदत का विकास, पुस्तक संस्कृति और पुस्तकालय प्रणाली के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनिता मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों के बच्चों के बीच कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रीडिंग कम्पीटिशन व टेलेंट हंट प्रतियोगिताओं के साथ आरंभ हुए इस सप्ताह में 15 नवंबर को पुस्तकालय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से राजकीय विद्यालय, जाट के विद्यार्थी पुस्तकालय प्रणाली से अवगत होंगे।

इसी क्रम में 16 नवंबर को बुक मार्क प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए किया जाएगा। इसी तरह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 17 नवंबर को रंगोली प्रतियोगिता व 18 नवंबर को बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. वीएन यादव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. अजयपाल, उपपुस्ताकलयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्कतालयाध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

हकेंवि में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह शुरू

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) के पंडित दीनदयाल दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा बाल दिवस पर विभिन्न आयोजनों के साथ राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की शुरुआत की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस सप्ताह के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, स्थानीय विद्यालयों के बच्चों, विश्वविद्यालय शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व उनके परिवारजनों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के शुभारंभ पर कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रिडिंग कंपीटिशन व टेलेंट

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 16 को बुकमार्क, 17 को रंगोली व 18 को बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का होगा आयोजन

हंट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि अवश्य ही इस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न प्रतिभाओं को जानने-समझने व उनको उपयुक्त मंच प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त होगा। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने बताया कि राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह आयोजित करने का उद्देश्य पढ़ने की आदत का विकास, पुस्तक संस्कृति व पुस्तकालय प्रणाली के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना है। विज्ञानी डा. विनिता मलिक ने बताया इस सप्ताह में 15 नवंबर को पुस्तकालय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से राजकीय विद्यालय जाट के विद्यार्थी पुस्तकालय प्रणाली से अवगत होंगे। 16 को बुकमार्क प्रतियोगिता, 17 को रंगोली प्रतियोगिता व 18 को बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, डा. मोना शर्मा, डा. वीएन यादव, डा. पायल चंदेल, डा. अजयपाल, उप पुस्तकालय अध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की शुरूआत

कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभाओं को जानने-समझने व उपयुक्त मंच प्रदान करने का मार्ग होगा प्रशस्त: प्रो. सुनीता

महेंद्रगढ़, 14 नवम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा सोमवार को बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजनों के साथ राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह की शुरूआत हुई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व व मार्गदर्शन में आयोजित इस सप्ताह के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, स्थानीय विद्यालयों के बच्चों व विश्वविद्यालय शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व उनके परिजनों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रीडिंग कम्पीटिशन व टैलेंट हंट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

अपने संबोधन में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न प्रतिभाओं को जानने-समझने व उनको उपयुक्त मंच प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

हकेंवि में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि इस तरह के आयोजन विश्वविद्यालय में जारी अध्ययन-अध्यापन व शोध के बीच सामाजिक सरोकारों को स्थापित करते हुए सभी सहभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने इस आयोजन से जुड़े आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय एक ऐसी संस्था है जहां रोजाना कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है। ऐसे में शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के साथ-साथ यदि अन्य सहभागी भी इस ज्ञानार्जन के प्रयास में जुड़ते हैं तो अवश्य ही विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगा।

कार्यक्रम के संबंध में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने बताया कि राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह आयोजित करने का उद्देश्य पढ़ने की आदत का विकास, पुस्तक संस्कृति और पुस्तकालय प्रणाली के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना है।

साथ ही जनमानस को इस बारे में जागरूकता पैदा करना कि किताबें किस तरह से मानव मनोविज्ञान को बेहतर बनाने, तनाव के स्तर को कम करने और सकारात्मक व्यक्तित्व बनाने के लिए आई.क्यू. और ज्ञान में सुधार करने में मददगार साबित हो सकती हैं।

पुस्तकालय जागरूकता शिविर आज, बुकमार्क प्रतियोगिता कल

विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनिता मलिक ने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, बच्चों के बीच कहानी प्रतियोगिता, रिवर्स रिडिंग कम्पीटिशन व टैलेंट हंट प्रतियोगिताओं के साथ आरंभ हुए इस सप्ताह में 15 नवम्बर को पुस्तकालय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से राजकीय विद्यालय, जांट के विद्यार्थी पुस्तकालय प्रणाली से अवगत होंगे। इसी क्रम में 16 नवम्बर को बुकमार्क प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए किया जाएगा।

इसी तरह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 17 नवम्बर को रंगोली प्रतियोगिता व 18 नवम्बर को बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. वी.एन. यादव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. अजयपाल, उप पुस्ताकलयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

एमए (हिंदी अनुवाद) में दाखिले के लिए ओपन काउंसिलिंग कल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) वर्तमान शैक्षणिक सत्र से शुरू दो वर्षीय एमए (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम में दाखिले के लिए ओपन काउंसिलिंग का आयोजन 17 नवंबर को ऑफलाइन माध्यम से किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार में दक्ष करेगा। इस रोजगारपरक अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य की ओर उन्मुख होगा। यह नया कार्यक्रम भारतीय एवं विदेशी ज्ञान-संपदा को जानने-समझने के सेतु का कार्य भी करेगा।

विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वानंद यादव ने बताया कि एमए (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम की ओपन काउंसिलिंग के लिए नए आवेदकों को विभाग में उपस्थित होकर पंजीकरण कराना होगा जबकि इस पाठ्यक्रम के लिए पूर्व में पंजीकरण करवाने वाले आवेदकों को इसके लिए पुनः पंजीकरण करवाने की आवश्यकता नहीं है। ओपन काउंसलिंग में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी को 17 नवंबर को विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक रिपोर्ट करना होगा। प्रवेश के लिए मेरिट सूची का निर्धारण स्नातक अंकों के आधार पर होगा। संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

हकेंविवि अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में 18 नवंबर तक चलने वाली अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत हो गई है। रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित इस कार्यशाला के पहले दिन मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन, डीन एकेडमिक्स एंड डवलपमेंट, आईआईएम, कोझीकोड उपस्थित रहे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला अवश्य ही शोध व अनुसंधान कार्य में जुटे शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला के निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला में शोध लेखन और प्रकाशन पर केंद्रित विभिन्न विषयों पर विस्तार से विमर्श किया जा रहा है। प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन ने उद्घाटन सत्र में शोध लेखन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। संवाद

आयोजन

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांट में हुआ जागरूकता शिविर

पुस्तकों की महता पर डाला प्रकाश

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांट में पुस्तकालय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोंकेश्वर के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 150 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की ओर से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पुस्तकालय व किताबों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने सफल जीवन के लिए पुस्तकालयों एवं उसमें उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम की संयोजक सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने सकारात्मक जीवन के निर्माण में पुस्तकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने अपने जीवन के अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए। मनोविज्ञान विभाग की दिव्या व मंजु ने मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए किताबों के महत्त्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश ने भी प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. संतोष। संवाद

हकेंवि में एमए हिंदी अनुवाद के लिए ओपन काउंसिलिंग कल

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विद्यालय (हकेंवि) वर्तमान शैक्षणिक सत्र से शुरू दो वर्षीय एमए (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम में दाखिले के लिए ओपन काउंसिलिंग का आयोजन 17 नवंबर को ऑफलाइन माध्यम से किया जा रहा है।

▪ ऑफलाइन माध्यम से होगी ओपन काउंसिलिंग

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार में दक्ष करेगा। इस रोजगारपरक अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य की ओर उन्मुख होगा। यह नया कार्यक्रम भारतीय एवं विदेशी ज्ञान-संपदा को जानने-समझने के सेतु का कार्य भी करेगा। विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वानंद यादव ने बताया कि एमए (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम की ओपन काउंसिलिंग के लिए नए आवेदकों को विभाग में उपस्थित होकर पंजीकरण कराना होगा जबकि इस पाठ्यक्रम के लिए पूर्व में पंजीकरण करवाने वाले आवेदकों को इसके लिए पुनः पंजीकरण करवाने की आवश्यकता नहीं है। ओपन काउंसिलिंग में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी को 17 नवंबर को विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 9 बजे से अपराह्न 1 बजे तक रिपोर्ट करना होगा। उन्होंने बताया कि प्रवेश हेतु मेरिट सूची का निर्धारण स्नातक अंकों के आधार पर किया जाएगा। स्नातक में उच्च अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों को प्रवेश में वरीयता दी जाएगी।

हकेवि में 18 तक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

रिसर्च राइंटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित है कार्यशाला

महेंद्रगढ़ | हकेवि में 18 नवंबर तक चलने वाली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत हो गई है। रिसर्च राईटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित इस कार्यशाला के पहले दिन मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन, डीन एकेडमिक्स एंड डेवलपमेंट, आईआईएम, कोझीकोड उपस्थित रहे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला अवश्य ही शोध व अनुसंधान कार्य में जुटे शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला के निदेशक प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि कार्यशाला में शोध लेखन और प्रकाशन पर केंद्रित विभिन्न विषयों पर विस्तार से विमर्श किया जा रहा है। प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन ने उद्घाटन सत्र में शोध लेखन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण प्रो. रंजन अनेजा ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यशाला के विषय में डॉ. अजय कुमार ने जानकारी दी। प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में प्रमुख रूप से विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. एनी रोगविन, प्रो. फिल हेरिस, प्रो. जस्टिन पॉल, प्रो. मिनास, प्रो. सेलोपात्रा, प्रो. अविरल तिवारी जैसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ व्याख्यान हेतु उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए.पी. शर्मा ने प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय जागरुकता शिविर में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने की भागीदारी

स्कूली विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. संतोष ।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के पण्डित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांट में पुस्तकालय जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 150 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की ओर से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पुस्तकालय व किताबों के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने सफल जीवन हेतु पुस्तकालयों एवं उसमें उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम की संयोजक सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने सकारात्मक जीवन के निर्माण में पुस्तकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने अपने जीवन के अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए। मनोविज्ञान विभाग की दिव्या व मंजु ने मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य हेतु किताबों के महत्त्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश ने भी प्रतिभागी विद्यार्थियों को

संबोधित किया। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

शिक्षकों-शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला उपयोगी

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर ● सौ. संस्था

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 18 नवंबर तक चलने वाली अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत हो गई है। रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित इस कार्यशाला के पहले दिन मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह कार्यशाला अवश्य ही शोध व अनुसंधान कार्य में जुटे शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए पांच दिनों के इस कार्यक्रम में जुटने वाले विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के निदेशक व स्कूल आफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कार्यशाला में शोध लेखन व प्रकाशन पर केंद्रित विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जा रहा है। प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन ने उद्घाटन सत्र में शोध लेखन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और इस विषय पर अपना पक्ष विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण प्रो. रंजन ने प्रस्तुत किया, जबकि कार्यशाला के विषय में डा. अजय ने जानकारी दी। प्रो. आनंद ने बताया कि इस आयोजन में प्रमुख रूप से विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. एनी रोगविन, प्रो. फिल हेरिस, प्रो. जस्टिन पाल, प्रो. मिनास, प्रो. सेलोपात्रा, प्रो. अविरल तिवारी जैसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ व्याख्यान के लिए उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. एपी शर्मा ने प्रस्तुत किया।

हकेंवि में एमए हिंदी अनुवाद के लिए ओपन काउंसलिंग 17 को

मेरिट सूची का निर्धारण स्नातक अंकों के आधार पर होगा, स्नातक में उच्च अंक प्राप्त करने वालों को जाएगी वरीयता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वर्तमान शैक्षणिक सत्र में दो वर्षीय एमए (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम में दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन 17 नवंबर को आफलाइन माध्यम से की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार में दक्ष करेगा। इस रोजगारपरक अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य की ओर उन्मुख होगा।

यह नया कार्यक्रम भारतीय एवं विदेशी ज्ञान-संपदा को जानने-समझने के सेतु का कार्य भी करेगा। विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डा. विश्वानंद यादव ने बताया कि एमए (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम की ओपन काउंसलिंग के लिए नए आवेदकों को विभाग में उपस्थित होकर पंजीकरण कराना होगा जबकि इस पाठ्यक्रम के लिए पूर्व में पंजीकरण करवाने वाले आवेदकों को इसके लिए दोबारा पंजीकरण करवाने की आवश्यकता नहीं है। ओपन काउंसलिंग में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी को 17 नवंबर को विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में नौ बजे से अपराह्न एक बजे तक रिपोर्ट करना होगा। प्रवेश के लिए मेरिट सूची का निर्धारण स्नातक अंकों के आधार पर किया जाएगा। स्नातक में उच्च अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों को प्रवेश में वरीयता दी जाएगी।

किताबों के महत्व के बारे में बताया

संस, महेंद्रगढ़: हकेंवी में पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांट में पुस्तकालय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में 150 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की ओर से नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पुस्तकालय व किताबों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष ने सफल जीवन के लिए पुस्तकालयों एवं उसमें उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम की संयोजक सूचना विज्ञानी डा. विनिता मलिक ने सकारात्मक जीवन के निर्माण में पुस्तकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उप पुस्तकालय अध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ ने अपने जीवन के अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए। मनोविज्ञान विभाग की दिव्या व मंजु ने मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए किताबों के महत्त्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष नरेश ने भी प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

राजकीय विद्यालय जांट में पुस्तकालय जागरूकता शिविर में मौजूद बच्चे व स्टाफ ● जागरण

हकेवि में एम.ए. हिंदी अनुवाद के लिए ओपन काउंसलिंग 17 को

■ऑफलाइन माध्यम से होगी ओपन काउंसलिंग

महेंद्रगढ़, 15 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ वर्तमान शैक्षणिक सत्र से शुरू दो वर्षीय एम. ए. (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम में दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन आगामी 17 नवंबर को ऑफलाइन माध्यम से किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार

में दक्ष करेगा। इस रोजगारपरक अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य की ओर उन्मुख होगा। यह नया कार्यक्रम भारतीय एवं विदेशी ज्ञान-संपदा को जानने-समझने के सेतु का कार्य भी करेगा।

विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वानंद यादव ने बताया कि एम.ए. (हिंदी अनुवाद) कार्यक्रम की ओपन काउंसलिंग के लिए नए आवेदकों को विभाग में उपस्थित होकर पंजीकरण कराना होगा जबकि इस पाठ्यक्रम के लिए पूर्व में पंजीकरण करवाने वाले आवेदकों को इसके लिए पुन: पंजीकरण करवाने की आवश्यकता नहीं है।

ओपन काउंसलिंग में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी को 17 नवंबर को विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 9 बजे से अपराह्न 1 बजे तक रिपोर्ट करना होगा।

उन्होंने बताया कि प्रवेश हेतु मैरिट सूची का निर्धारण स्नातक अंकों के आधार पर किया जाएगा। स्नातक में उच्च अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों को प्रवेश में वरीयता दी जाएगी।

हकेवि अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

रिसर्च राइंटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित है कार्यशाला

महेंद्रगढ़, 15 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में 18 नवंबर तक चलने वाली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत हो गई है।

रिसर्च राइंटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित इस कार्यशाला के पहले दिन मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन, डीन एकेडमिक्स एंड डवलपमेंट, आईआईएम, कोझीकोड उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला अवश्य ही शोध व अनुसंधान कार्य में जुटे शिक्षकों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने इस आयोजन हेतु आयोजकों की सराहना करते हुए पाँच दिनों के इस कार्यक्रम में जुटने वाले विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला के निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला में शोध लेखन और प्रकाशन पर केंद्रित विभिन्न विषयों पर विस्तार से विमर्श किया जा रहा है।

प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन ने उद्घाटन सत्र में शोध लेखन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और इस विषय पर अपना पक्ष विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा।

कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण प्रो. रंजन अनेजा ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यशाला के विषय में डॉ. अजय कुमार ने जानकारी दी। प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में प्रमुख रूप से विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. एनी रोगविन, प्रो. फिल हेरिस, प्रो. जस्टिन पॉल, प्रो. मिनास, प्रो. सेलोपात्रा, प्रो. अविरल तिवारी जैसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ व्याख्यान हेतु उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए.पी. शर्मा ने प्रस्तुत किया।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत एवं सशक्त मीडिया जरूरी: प्रो. टंकेश्वर कुमार

- हकेवि में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर समकालीन मीडिया में विमर्श विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से डीडी समाचार चैनल के वरिष्ठ सलाहकार संपादक, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र से समाज का हर व्यक्ति जुड़ा हुआ है। खबरों की दुनिया में फेक समाचार मीडिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है।

डिजिटल मीडिया पर बढ़ती फेक समाचारों की संख्या ने मीडिया की विश्वसनीयता को कम किया है। उन्होंने कहा कि मीडिया संस्थाओं को इस दिशा में काम करने की जरूरत है ताकि सही व निष्पक्ष सूचनाएं ही लोगों तक पहुंचे।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञापन भी समाज भी लक्ष्यहित नैरेटिव एवम एजेंडा स्थापित करते हैं। विज्ञापन के प्रभाव के कारण लोगों का खानपान तक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने भ्रमित करने वाले विज्ञापनों के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपील की। कुलपति ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का प्रहरी व स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत मीडिया की आवश्यकता हमेशा बनी रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दीं और पत्रकारिता व पत्रकारों का धन्यवाद करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अशोक श्रीवास्तव ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा पत्रकारिता पहला व अंतिम पाठ हैं तथ्य व सत्य है।

एक पत्रकार का वह नैतिक दायित्व है कि वह सत्य व तथ्य की रक्षा करे। सूचनाओं की जांच परख करने के बाद भी उन्हें प्रसारित करे। इस मौके पर उन्होंने अपने कई अनुभव विद्यार्थियों के साथ सांझा किए। इसी क्रम में अभिषेक मेहरोत्रा ने कहा कि आज का विषय आप सभी को मीडिया के उपयुक्त उपयोग एवम प्रभाव के बारे में जागरूक करना है।

आज का समय डिजिटल युग है ऐसे में सोशल मीडिया और गुगल अधिकांशतः खबरों एवम सूचना प्राप्ति के लिए प्रयोग किए जाते हैं किंतु पत्रकारिता से जुड़े विद्यार्थियों को ध्यान रखना चाहिए। सोशल मीडिया और गूगल खबरों को स्त्रोत मात्र हैं इस प्रकार प्राप्त सूचनाओं पूर्णतः जांच कर ही प्रसारित करना चाहिए। दैनिक भास्कर के महेश कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा पत्रकारिता में संयम अति आवश्यक हैं आज के समय मीडिया के समक्ष मुख्य चुनौती विश्वसनीयता की है। डिजिटल युग में प्रत्येक उपभोक्ता को अपने विवेक से सूचनाओं को उपयोग करना चाहिए। डिजिटल मीडिया में कोई भी सूचना त्वरित प्रसारित होती हैं ऐसे में सतर्क होने की आवश्यकता हैं।

भावी पत्रकारों के लिए उन्होंने कहा प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में एक अभ्यास अपनाएं खबरों को विभिन्न माध्यमों पर सुने और उनका विश्लेषण करे डिजिटल युग में सफल बनाने के लिए इनोवेटिव और तथ्य परक सूचना निर्माण पर ध्यान दे।

कार्यक्रम में संगीता तंवर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आने वाला समय विडियो का है सोशल मीडिया डिजिटल मीडिया का अभिन्न हिस्सा है। इन्टरनेट पर जल्दी और सर्वप्रथम होने का दबाव बना रहता है परंतु कोशिश करें शोध परक एवं प्रभावी कंटेंट बनाए क्योंकि लंबे समय तक सफलता के लिए अच्छा कंटेंट होना जरूरी है। इस अवसर पर प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि आज हम जब प्रेस की बात करते तो मुख्यतः डिजिटल और सोशल मीडिया अधिक प्रचलित है जहा हर व्यक्ति अपनी जरूरत और इच्छा अनुसार सूचनाए खोजता है। सही सूचनाओं को सही पाठकत तक कैसे पहुंचाए मीडिया के आगे सबसे बड़ी चुनौती आज यही है। गलत व सत्यहीन सूचनाओं के प्रभाव से बचने के लिए लोगों को अपना रक्षक खुद ही बनना होगा।

हम सभी को एक सतर्क नागरिक एवम उपभोक्ता के रूप में इन्टरनेट पर फैले सूचनाओं के जाल में से सही सूचना को चुनना होगा। कार्यक्रम में मंच का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने किया व धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य व संगोष्ठी के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. भारती, डॉ. आलेख नायक व विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुकमार्क प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को बुकमार्क प्रतियोगिता का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की समन्वयक व सूचना वैज्ञानिक ने बताया कि इस बुकमार्क प्रतियोगिता में लगभग 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि कैसे रचनात्मकता को ज्ञान लाभ से जोड़ा जा सकता है। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा की तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री नरेश ने भी बुकमार्क के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

बुकमार्क प्रतियोगिता का आयोजन

बुकमार्क प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी व आयोजन मंडल के सदस्य। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुकमार्क प्रतियोगिता का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की समन्वयक व सूचना वैज्ञानिक ने बताया कि इस बुकमार्क प्रतियोगिता में लगभग 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि कैसे रचनात्मकता को ज्ञान लाभ से जोड़ा जा सकता है। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा की और प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश ने भी बुकमार्क के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत एवं सशक्त मीडिया जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर समकालीन मीडिया में विमर्श विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र से समाज का हर व्यक्ति जुड़ा हुआ है। खबरों की दुनिया में फेक समाचार मीडिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती हैं। डिजिटल मीडिया पर बढ़ती फेक समाचारों की संख्या ने मीडिया की विश्वसनीयता को कम किया है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत एवं सशक्त मीडिया जरूरी है। वहीं विज्ञापन के प्रभाव के कारण लोगों का खानपान तक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने भ्रमित करने वाले विज्ञापनों के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपील की। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने प्रतिभागियों को इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। कार्यक्रम में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार, कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता अशोक श्रीवास्तव, अभिषेक मेहरोत्रा ने पत्रकारिता से जुड़े विद्यार्थियों से अपने अनुभव सांझा किए। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. भारती, डॉ. आलेख नायक व विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुकमार्क प्रतियोगिता में 35 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

बुकमार्क प्रतियोगिता में हिसा लेने वाले प्रतिभागी व आयोजन मंडल के सदस्य

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विद्यालय (हकेंवि) के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को बुकमार्क प्रतियोगिता करवाई गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी एच ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की समन्वयक व सूचना वैज्ञानिक ने बताया कि इस बुकमार्क प्रतियोगिता में लगभग 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि कैसे रचनात्मकता को ज्ञान लाभ से जोड़ा जा सकता है। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा की तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश ने भी बुकमार्क के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

बुकमार्क प्रतियोगिता में 35 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को बुकमार्क प्रतियोगिता का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा की तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

हकेंवि

राष्ट्रीय सेमिनार इकोनॉमी-75 का हुआ समापन

विभिन्न संस्थानों के 50 शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इकोनॉमी- 75 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार लगाया गया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर आंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स (बीएएसई), बैंगलोर के कुलपति प्रो. एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहे। जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसे कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के अमृतकाल के पथ के निर्धारण करेंगे जिसमें भारतीय युवा शोधकर्ताओं एवं विद्वानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। तकनीकी सत्रों के दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने सेमिनार के 5 उप विषयों के 25 विभिन्न आयामों पर अपने-अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। सेमिनार के समापन सत्र की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने की।

राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. एनआर भानुमूर्ति व अन्य। संवाद

राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रंजन अनेजा के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व सेमिनार के संयोजक डॉ. अजित कुमार साहू ने विषयवस्तु पर चर्चा करने के साथ कार्यक्रम के रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों की रचनात्मकता के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने कहा कि कैसे रंग जीवन को व्यवस्थित करने में मददगार होते हैं। कार्यक्रम की समन्वयक व विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने भी मनोदशा और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए रंगों की शक्ति पर प्रकाश डाला। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने प्रतिभागियों से प्रतियोगिता के नियम साझा किए। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश ने भी जीवन में रंगों के महत्व के बारे में अपने विचार साझा किए। इस प्रतियोगिता में डॉ. आरती यादव, दिलीप पटेल ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की। संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

▪ राष्ट्रीय सेमिनार इकोनॉमी @ 75 हुआ समाप्त

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेविके अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इकोनॉमी @ 75 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (बीएएसई), बेंगलोर के कुलपति प्रोफेसर एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहे। जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसे कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के अमृतकाल के पथ के निर्धारण करेंगे जिसमें भारतीय युवा शोधकर्ताओं एवं विद्वानों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगी। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रंजन अनेजा के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व सेमिनार के संयोजक डॉ. अजित कुमार साहू ने विषयवस्तु पर चर्चा करने के साथ साथ कार्यक्रम के रुपरेखा को भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारत के जाने माने अर्थशास्त्री प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति ने अपने वक्तव्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 75 वर्षों की यात्रा, इसके उतार-चढाव एवं विभिन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए कहा कि न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए सतत विकास का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन ने किया जबकि अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेमिनार के अधिवेशन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक के डॉ. महामाया मोहंती तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के डॉ. विनोद सेन ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अधिवेशन सत्र में मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग के सह-आचार्य डॉ. अमनदीप वर्मा ने किया। वहीं तकनीकी सत्रों के दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने सेमिनार के 5 उपविषयों के 25 विभिन्न आयामों अपने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति व अन्य

नए भारत के निर्माण में मेक इन इंडिया का कदम निभाएगा बड़ी भूमिका : प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि में इकोनमी @75 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इकोनमी @75 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते अतिथिगण ● सौ. प्रवक्ता

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर आंबेडकर स्कूल आफ इकानामिक्स (बीएएसई), बेंगलुरु के कुलपति प्रोफेसर एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि नए भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसे कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के अमृतकाल के पथ के निर्धारण करेंगे, जिसमें भारतीय युवा शोधकर्ताओं एवं विद्वानों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगी। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रंजन के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व सेमिनार के संयोजक डा. अजित कुमार साहू ने विषयवस्तु पर चर्चा करने के साथ साथ कार्यक्रम के रुपरेखा को भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारत के जाने माने अर्थशास्त्री प्रो. एनआर भानुमूर्ति ने व्यक्तव्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 75 वर्षों की यात्रा, इसके उतार-चढ़ाव एवं विभिन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सेमिनार के उद्घाटन सत्र में कहा कि न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए सतत विकास का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य डा. सुमन ने किया जबकि अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डा. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सेमिनार के अधिवेशन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक के डा. महामाया मोहंती तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के डा. विनोद सेन ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्रों के दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने सेमिनार के पांच उपविषयों के 25 विभिन्न आयामों अपने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस सेमिनार का समापन सत्र की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार ने की। उन्होंने सेमिनार में प्रतिभागिता करने वाले शोधार्थियों को बधाई दी और कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले 75 वर्षों में निश्चित ही अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। सेमिनार के आयोजन में आयोजन समिति के सदस्य डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा एवं डा. ऋतु गोयल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विवि में रंगोली प्रतियोगिता

नारनौल 17 नवंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों की रचनात्मकता के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. संतोष ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि रंग जीवन को व्यवस्थित करने में मददगार होते हैं। समन्वयक व विवि की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने भी मनोदशा और भावनाओं को व्यक्त करने में रंगों की शक्ति के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

दैनिक ट्रिब्यून

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. एनआर भानुमूर्ति व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में राष्ट्रीय सेमिनार इकोनॉमी का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा इकोनॉमी विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बीआर आंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स बैंगलोर के कुलपति प्रो. एनआर भानुमूर्ति उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय सैमिनार 'इकोनॉमी @ 75' सम्पन्न, 50 से अधिक शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

राष्ट्रीय सैमिनार की स्मारिका का विमोचन करते प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति व अन्य।

महेंद्रगढ़, 17 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'इकोनॉमी @ 75' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार का आयोजन किया गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सैमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, बैंगलोर के कुलपति प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए भारत के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया जैसे कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के अमृतकाल के पथ का निर्धारण करेंगे, जिसमें भारतीय युवा शोधकर्त्ताओं एवं विद्वानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस राष्ट्रीय सैमिनार का शुभारम्भ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रंजन अनेजा के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग के सहायक आचार्य व सैमिनार के संयोजक डॉ. अजित कुमार साहू ने विषयवस्तु पर चर्चा करने के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा को भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारत के जाने-माने अर्थशास्त्री प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति ने अपने वक्तव्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के पिछले 75 वर्षों की यात्रा, इसके उतार-चढ़ाव एवं विभिन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने राष्ट्रीय सैमिनार की स्मारिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने उद्घाटन सत्र में सम्बोधित करते हुए कहा कि न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए सतत विकास का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुमन ने किया जबकि अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले 75 वर्षों में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया : प्रो. सुनील

राष्ट्रीय सैमिनार के अधिवेशन सत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान, रोहतक के डॉ. महामाया मोहंती तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के डॉ. विनोद सेन ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अधिवेशन सत्र में मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग के सह-आचार्य डॉ. अमनदीप वर्मा ने किया, वहीं तकनीकी सत्रों के दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के 50 से अधिक शोधार्थियों ने सैमिनार के 5 उपविषयों के 25 विभिन्न आयामों अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस सैमिनार के समापन सत्र की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने की।

उन्होंने सैमिनार में प्रतिभागिता करने वाले शोधार्थियों को बधाई दी और कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले 75 वर्षों में निश्चित ही अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। सैमिनार के आयोजन में आयोजन समिति के सदस्य डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा एवं डॉ. ऋतु गोयल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के तहत हुआ आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के तहत पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए बताया कि कैसे किताब और रंग जीवन को व्यवस्थित करने और जीवन को व्यवस्थित रखने में मदद करते हैं।

किताब के कवर का महत्व इसी से पता चलता है कि किताब की पहली चीज जो उनका ध्यान आकर्षित करती है, वह है किताब का कवर का चित्र, उसका रंग और फोटो। आयोजन की समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने कहा कि पुस्तक का कवर केवल सजावट का तरीका नहीं है। इसमें पुस्तक की कहानी का सारांश भी होता है। पुस्तक का कवर पाठकों को आकर्षित करने में बहुत मददगार होता है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 42 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए। कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अजय कुमार बंसल व हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ अमित कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी, निर्णायक मंडल के सदस्य के साथ। संवाद

पंजाब केसरी
SAT,19 NOVEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

हकेंवि में पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन

पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी, आयोजन व निर्णायक मंडल के सदस्य।

महेंद्रगढ़, 18 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के तहत शुक्रवार को पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए बताया कि कैसे किताब और रंग जीवन को व्यवस्थित करने और जीवन को व्यवस्थित रखने में मदद करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लोग किताबों को उसके कवर से आंकते हैं। किताब के कवर का महत्व इसी से पता चलता है कि किताब की पहली चीज जो उनका ध्यान आकर्षित करती है, वह है किताब का कवर का चित्र, उसका रंग और फोंट।

आयोजन की समन्वयक एवं सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने कहा कि पुस्तक का कवर केवल सजावट का तरीका नहीं है। इसमें पुस्तक की कहानी का सारांश भी होता है। पुस्तक का कवर पाठकों को आकर्षित करने में बहुत मददगार होता है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 42 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम साझा किए।

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश कुमार ने भी पुस्तक कवर के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अजय कुमार बंसल व हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए।

'महिला सशक्तीकरण से होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त'

हकेंवि : एसटीईएम में महिलाओं पर केंद्रित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित (एसटीईएम) में महिलाओं की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए। मुख्यातिथि सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एसटीईएम में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया।

एबीबीसी अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने ऑनलाइन माध्यम से विषय पर अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम संयोजक व महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेणु यादव एवं समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह एवं अनीता कुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय की पोषणजीव विज्ञान विभाग की छात्रा महिमा, तोशी, ईशा और मंजीत, शिक्षा पीठ की शोधार्थी मधुसमिता बेहरा ने छात्र समन्वयक के रूप में काम किया।

सम्मेलन में प्रो. रंजना अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। संवाद

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड स्टडीज द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन, प्रो. एनी रोगविन, प्रो. फिल हेरिस, प्रो. जस्टिन पॉल, प्रो. मिनास, प्रो. सेलोपात्रा, प्रो. अविरल तिवारी, प्रो. अर्नेस्टो नोरोन्हा जैसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को पत्रिकाओं के डिजाइन, लेखन और प्रकाशन के कौशल में सुधार करना और शोधकर्ताओं को शोध विषय का चयन और समीक्षा जैसे अनुसंधान के मूल सिद्धांतों से अवगत कराना था। संवाद

हकेवि रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ समापन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित पाँच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड स्टडीज द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन, प्रो. एनी रोगविन, प्रो. फिल हेरिस, प्रो. जस्टिन पॉल, प्रो. मिनास, प्रो. सेलोपात्रा, प्रो. अविरल तिवारी, प्रो. अर्नेस्टो नोरोन्हा जैसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को पत्रिकाओं के डिजाइन, लेखन और प्रकाशन के कौशल में सुधार करना और शोधकर्ताओं को शोध विषय का चयन और समीक्षा जैसे अनुसंधान के मूल सिद्धांतों से अवगत कराना था। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को इस दिशा में मदद मिलेगी। कार्यशाला के निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि पांच दिवसीय इस कार्यशाला में आठ सत्रों का आयोजन किया गया। जिनमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने शोध के लिए सही विषय का चयन करने, शोध लेखन समीक्षा, शोध पद्धति, पत्रिकाओं के प्रकाशन आदि विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यशाला में ईएसपीपी, लंदन के अनुसंधान निदेशक प्रो. मिनस कस्तानाकिस ने शोध पत्र की मूल्यांकन पद्धति पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रो. अविरल तिवारी ने जर्नल लिखने में सांख्यिकीय महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए डाटा विश्लेषण में उपयोगी सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला के अंतिम दिन विशेषज्ञ प्रो. क्लियोपेट्रा ए वेलआउट्सो ने शोध उद्देश्यों से सहभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला के अंतिम दिन समापन सत्र को संबोधित करते हुए कार्यशाला संयोजक प्रो. रंजन अनेजा ने प्रतिभागियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस मौके पर प्रतिभागियों को भी उनके अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु कार्यशाला संयोजक डॉ. अजय कुमार व उनकी टीम के प्रति प्रतिभागियों ने आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में प्रो. रंजन अनेजा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

महिला सशक्तिकरण से ही होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त: प्रो. रंजना

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित (एस-टी-ई-एम) में महिलाओं की भूमिका विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस एक दिवसीय सम्मेलन में एसटीईएम के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की स्थिति में काम करने वाली प्रख्यात महिला वैज्ञानिकों को युवा पीढ़ी, विशेष रूप से लड़की, को उनकी सक्रिय भागीदारी और अकादमिक और करियर के अनुसरण के लिए प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए।

इस सम्मेलन का आयोजन महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की छात्राओं के लिए किया गया। आयोजन की मुख्य अतिथि सीएसआईआर- राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपी आर), नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एसटीईएम में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित और मैपिंग करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। एबीबीसी, अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने ऑनलाइन माध्यम से विषय पर अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान व विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम संयोजक व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेणु यादव एवं समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह एवं अनीता कुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रो. रंजना अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय की पोषणजीव विज्ञान विभाग की छात्रा महिमा, तोशी, ईशा और मंजीत; शिक्षा पीठ की शोधार्थी मधुसमिता बेहरा ने छात्र समन्वयक के रूप में काम किया। इस सम्मेलन में नेशनल मॉडल स्कूल की छात्राओं व शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला से लेखन कौशल में छात्रों को मिलेगी मदद

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), में रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का सोमवार को समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के स्कूल आफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड स्टडीज द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में प्रो. आनंद कुट्टन बी उन्नीथन, प्रो. एनी रोगविन, प्रो. फिल हेरिस, प्रो. जस्टिन पाल, प्रो. मिनास, प्रो. सेलोपात्रा, प्रो. अविरल तिवारी, प्रो. अर्नेस्टो नोरोन्हा जैसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को पत्रिकाओं के डिजाइन, लेखन और प्रकाशन के कौशल में सुधार करना और शोधकर्ताओं को शोध विषय का चयन और समीक्षा जैसे अनुसंधान के मूल सिद्धांतों से अवगत कराना था। अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को इस दिशा में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के निदेशक व स्कूल आफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि पांच दिवसीय इस कार्यशाला में आठ सत्रों का आयोजन किया गया। इनमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने शोध के लिए सही विषय का चयन करने, शोध लेखन समीक्षा, शोध पद्धति, पत्रिकाओं के प्रकाशन आदि विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। आइआइएम, कोझीकोड़ के प्रो. आनंदकुट्टन उन्नीथन ने पांडुलिपि लेखन के मूल सिद्धांतों ने प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रो. एनी रोगवीन ने पत्रिकाओं के प्रकाशन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया व प्रो. जस्टिन पाल ने जर्नल प्रकाशन हेतु प्रस्तुत करने के पश्चात प्रकाशक एवं शोधकर्ता के स्तर पर आने वाली कठिनाइयों पर विस्तृत चर्चा की।

प्रो. फिल ने अपने अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए। उन्होंने व्याख्यान में विभिन्न सांस्कृतिक व देशभक्ति के पक्षों को भी सम्मिलित किया। कार्यशाला में ईएसपीपी, लंदन के अनुंसधान निदेशक प्रो. मिनस ने शोध पत्र की मूल्यांकन पद्धति पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. अविरल ने जर्नल लिखने में सांख्यिकीय महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए डाटा विश्लेषण में उपयोगी सांख्यिकीय साफ्टवेयर से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अंतिम दिन विशेषज्ञ प्रो. क्लियोपेट्रा ए वेलआउट्सो ने शोध उद्देश्यों से सहभागियों को अवगत कराया।

महिला सशक्तीकरण से होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त : प्रो. रंजना

हकेंवि में महिलाओं की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित (एसटीईएम) में महिलाओं की भूमिका विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान व अवसरों पर संवाद स्थापित करना था। एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस एक दिवसीय सम्मेलन में एसटीईएम के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की स्थिति में काम करने वाली प्रख्यात महिला वैज्ञानिकों को युवा पीढ़ी, विशेष रूप से लड़की, को उनकी सक्रिय भागीदारी और अकादमिक और करियर के अनुसरण के लिए प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए। कुलपति ने इस अवसर पर तकनीक के महत्त्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके प्रभाव से महिलाओं के लिए अवसरों में इजाफा हुआ है और वे अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर पा रही हैं। इस सम्मेलन का आयोजन महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की छात्राओं के लिए किया गया। आयोजन की मुख्य अतिथि सीएसआइआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआइआर-एनआइएससीपीआर), नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एसटीईएम में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित और मैपिंग करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। एबीबीसी, अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने आनलाइन माध्यम से विषय पर अपने विचार रखे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रो. रंजना अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता व स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान व विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एसटीईएम में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम संयोजक व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेणु यादव एवं समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह एवं अनीता कुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। विश्वविद्यालय की पोषणजीव विज्ञान विभाग की छात्रा महिमा, तोशी, ईशा और मंजीत; शिक्षा पीठ की शोधार्थी मधुसमिता बेहरा ने छात्र समन्वयक के रूप में काम किया। इस सम्मेलन में नेशनल माडल स्कूल की छात्राओं व शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

'महिला सशक्तीकरण से होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त'

महेन्द्रगढ़, 21 नवंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ ने विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित में महिलाओं की भूमिका पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के विज्ञान, प्रौद्योगिकी में उनकी भागीदारी पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण से देश का विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

दैनिक ट्रिब्यून

रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 21 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में रिसर्च राइटिंग एंड पब्लिकेशन पर केंद्रित 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ।

इस कार्यशाला में प्रो. आनंद कुट्टन बी. उन्नीथन, प्रो. एनी रोगविन, प्रो. फिल हेरिस, प्रो. जस्टिन पॉल, प्रो. मिनास, प्रो. सेलोपात्रा, प्रो. अविरल तिवारी, प्रो. अर्नेस्टो नोरोन्हा जैसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को पत्रिकाओं के डिजाइन, लेखन और प्रकाशन के कौशल में सुधार करना और शोधकर्त्ताओं को शोध विषय का चयन और समीक्षा जैसे अनुसंधान के

अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

मूल सिद्धांतों से अवगत कराना था।

कार्यशाला के निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनैस एंड मैनेजमैंट स्टडीज के डीन प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि 5 दिवसीय इस कार्यशाला में 8 सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने शोध के लिए सही विषय का चयन करने, शोध लेखन समीक्षा, शोध पद्धति, पत्रिकाओं के प्रकाशन आदि विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। आई.आई.एम., कोझीकोड के प्रो. आनंद कुट्टन बी. उन्नीथन ने पांडुलिपि लेखन के मूल सिद्धांतों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रो. एनी रोगवीन ने पत्रिकाओं के प्रकाशन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया व प्रो. जस्टिन पॉल ने जर्नल प्रकाशन हेतु प्रस्तुत करने के पश्चात प्रकाशक एवं शोधकर्त्ता के स्तर पर आने वाली कठिनाइयों पर विस्तृत चर्चा की।

आयोजन के अंतर्गत विशेषज्ञ प्रो. अर्नेस्टो नोरोन्हा ने डैस्क रिजैक्शन के कारणों पर चर्चा करते हुए डैस्क रिजैक्शन को हैंडल करने के तरीकों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। वहीं प्रो. फिल हैरिस ने अपने अनुभव प्रतिभागियों के साथ सांझा किए।

प्रो. अविरल तिवारी ने जर्नल लिखने में सांख्यिकीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए डाटा विश्लेषण में उपयोगी सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला के अंतिम दिन विशेषज्ञ प्रो. क्लियोपेट्रा ए वेलआउट्सो ने शोध उद्देश्यों से सहभागियों को अवगत कराया। समापन सत्र में प्रो. रंजन अनेजा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

महिला सशक्तिकरण से होगा देश के विकास का मार्ग प्रशस्त: प्रो. रंजना

महेंद्रगढ़, 21 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी एवं गणित में महिलाओं की भूमिका विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

एस.टी.ई.एम. में महिलाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित इस एक दिवसीय सम्मेलन में एस.टी.ई.एम. के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की स्थिति में काम करने वाली प्रख्यात महिला वैज्ञानिकों को युवा पीढ़ी, विशेष रूप से लड़की को उनकी सक्रिय भागीदारी और अकादमिक और करियर के अनुसरण के लिए प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के

सम्मेलन में मुख्यातिथि प्रो. रंजना अग्रवाल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिलाओं का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है और हम सभी को देश की प्रगति में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान देना चाहिए। कुलपति ने इस अवसर पर तकनीक के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके प्रभाव से महिलाओं के लिए अवसरों में इजाफा हुआ है और वे अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर पा रही हैं।

आयोजन की मुख्यातिथि सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने लड़कियों के संदर्भ में एस.टी.ई.एम. में शिक्षा की आवश्यकता और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित और मैपिंग करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। ए.बी.बी.सी., अजमेर, राजस्थान की सहायक निदेशक प्रो. मोनिका भटनागर ने ऑनलाइन माध्यम से विचार रखे।

विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान व विख्यात भौतिक विज्ञानी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी एस.टी.ई.एम. में महिलाओं की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को अवगत करवाया।

इस सम्मेलन में नैशनल मॉडल स्कूल की छात्राओं व शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

रोजगार तलाशने नहीं, देने वाले बनें : प्रो. के.जी. सुरेश

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दो दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. के.जी. सुरेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पत्रकारिता का युग है। उन्होंने प्रतिभागियों को पत्रकारिता और जनसंचार के महत्त्व से अवगत कराया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. के.जी. सुरेश ने अपने संबोधन में कहा कि आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की भारी मांग है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को उनकी रुचि के अनुसार सामग्री प्रदान की जा रही है। भविष्य में, मुक्त पत्रकारिता का युग होगा। इसी क्रम में आयोजन में सम्मिलित राज्यसभा टीवी के वरिष्ठ एंकर श्री मनोज वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि केवल चिल्लाना व शोर मचाना ही पत्रकारिता नहीं है। चर्चा के दौरान सभी पैनलिस्टों से बहुत विनम्र तरीके से प्रश्न पूछे जाने चाहिए। मीडिया को निष्पक्ष होना चाहिए और सभी लोगों को समान रूप से महत्व देना चाहिए। दीक्षारंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कॉपीराइट और संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) कक्षा का भी आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के सहआचार्य डॉ. श्रीराम पांडे ने क्रिएटिव कॉमन्स के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को मीडिया उद्योग और पेशे के अनुसार ट्यून करना है ताकि वे अपने क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर सकें। दीक्षारंभ कार्यक्रम में संयोजक डॉक्टर नीरज करन सिंह सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सरेंद्र कुमार, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. आलेख, डॉ. भारती बत्रा व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोजगार तलाशने नहीं, देने वाले बनें : प्रो. सुरेश

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने किया दीक्षारंभ कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दो दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. केजी सुरेश मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पत्रकारिता का युग है। उन्होंने प्रतिभागियों को पत्रकारिता और जनसंचार के महत्व से अवगत कराया। प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की भारी मांग है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

पर ग्राहकों को उनकी रुचि के अनुसार सामग्री प्रदान की जा रही है। भविष्य में, मुक्त पत्रकारिता का युग होगा। राज्यसभा टीवी के वरिष्ठ एंकर मनोज वर्मा ने कहा कि केवल चिल्लाना व शोर मचाना ही पत्रकारिता नहीं है। चर्चा के दौरान सभी पैनलिस्टों से बहुत विनम्र तरीके से प्रश्न पूछे जाने चाहिए। मीडिया को निष्पक्ष होना चाहिए और सभी लोगों को समान रूप से महत्व देना चाहिए। दीक्षारंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कॉपीराइट और संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) कक्षा का भी आयोजन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को मीडिया उद्योग और पेशे के अनुसार ट्यून करना है ताकि वे अपने क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर सकें। दीक्षारंभ कार्यक्रम में संयोजक डॉ. नीरज करन सिंह सहित विभाग के शिक्षक डॉ. सरेंद्र कुमार, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. आलेख, डॉ. भारती बत्रा व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रुचि के अनुसार इंटरनेट मीडिया पर प्रदान की जा रही हैं सामग्रियां

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दो दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. केजी सुरेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पत्रकारिता का युग है।।

प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की भारी मांग है। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर ग्राहकों को उनकी रुचि के अनुसार सामग्री प्रदान की जा रही है। भविष्य में, मुक्त पत्रकारिता का युग होगा। इसी क्रम में आयोजन में सम्मलित राज्यसभा टीवी के वरिष्ठ एंकर मनोज वर्मा ने कहा कि केवल चिल्लाना व शोर मचाना ही पत्रकारिता नहीं है। मीडिया को निष्पक्ष होना चाहिए और सभी लोगों को समान रूप से महत्व देना चाहिए। दीक्षारंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कापीराइट और संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी

दीक्षारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. केजी सुरेश ● सौ. हकेंवि

उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) कक्षा का भी आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के सहआचार्य डा. श्रीराम पांडे ने क्रिएटिव कामन्स के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को मीडिया उद्योग और पेशे के अनुसार ट्यून करना है, ताकि वे अपने क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर सकें। कार्यक्रम में संयोजक डाक्टर नीरज करन सिंह सहित विभाग के शिक्षक डा. सरेंद्र, उपस्थित रहे।

रोजगार तलाशने नहीं, देने वाले बनें: प्रो. के.जी. सुरेश

महेंद्रगढ़, 22 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा 2 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. के.जी. सुरेश मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पत्रकारिता का युग है। उन्होंने प्रतिभागियों को पत्रकारिता और जनसंचार के महत्त्व से अवगत करवाया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रो. के.जी. सुरेश ने अपने संबोधन में कहा कि आजकल आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस, वर्चुअल रियलिटी के क्षेत्र में प्रोफैशनल्स की भारी मांग है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को उनकी रुचि के अनुसार सामग्री प्रदान की जा रही है। भविष्य में मुक्त पत्रकारिता का युग होगा।

इसी क्रम में आयोजन में सम्मिलित राज्यसभा टी.वी. के वरिष्ठ एंकर मनोज वर्मा ने कहा कि केवल चिल्लाना व शोर मचाना ही पत्रकारिता नहीं है। चर्चा के दौरान सभी पैनलिस्टों से बहुत विनम्र तरीके से प्रश्न पूछे जाने चाहिएं। मीडिया को निष्पक्ष होना चाहिए और सभी लोगों को समान रूप से महत्व देना चाहिए।

दीक्षारंभ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कॉपीराइट और संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज कक्षा का भी आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया के छात्रों को मीडिया उद्योग और पेशे के अनुसार ट्यून करना है। दीक्षारंभ कार्यक्रम में संयोजक डा. नीरज करन सिंह सहित विभाग के शिक्षक डा. सरेंद्र कुमार, डा. पंकज कुमार, डा. आलेख, डा. भारती बत्तरा व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 24 से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत वीरवार 24 नवम्बर से होने जा रही है। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल उपस्थित रहेंगे जबकि विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. सिंघल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव की कार्यक्रम गौरवमयी उपस्थिति रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़ने वाले प्रतिभागियों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही आईजीयू के सहयोग से आयोजित यह सम्मेलन भूगोल के क्षेत्र में जारी विभिन्न नए बदलावों को जानने-समझने में मददगार साबित होगा। विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार व भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

जिनमें देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से विशेषज्ञ व प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज का वीडियो संदेश संबोधित करेंगे। डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव के सहयोग से इस आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और अवश्य ही यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

हकेवि में आईबीएम के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आईबीएम सीएसआरबॉक्स के सहयोग से कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आईबीएम स्किल बिल्डिंग प्रोग्राम से संबंद्ध विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के कौशल का प्रशिक्षण दिया।

जिसमें बायोडाटा तैयार करना व साक्षात्कार हेतु तैयारी करना प्रमुख रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से पढ़ाई के बाद रोजगार के क्षेत्र में सफलता पाने में मदद मिलेगी।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में आईबीएम सीएसआरबॉक्स की ओर से स्वधा राय व इशु यादव ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया और उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का निदान भी किया। प्रो. गर्ग ने बताया कि दो दिनों में आयोजित विभिन्न सत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी प्रतिभागियों को उपलब्ध कराया गया और इस आयोजन में डॉ. तरूण, डॉ. ए.पी. शर्मा व सुश्री प्रीति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

हरियाणा केंद्रीय विवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत 24 नवंबर से होगी। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी सिंघल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव की कार्यक्रम गौरवमयी उपस्थिति रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़ने वाले प्रतिभागियों के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही आईजीयू के सहयोग से आयोजित यह सम्मेलन भूगोल के क्षेत्र में जारी विभिन्न नए बदलावों को जानने-समझने में मददगार साबित होगा।

विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार व भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिनमें देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से विशेषज्ञ व प्रतिभागी सम्मिलित होंगे।

हकेंवि में विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

बायोडाटा तैयार करना और साक्षात्कार की तैयारी करने के दिए टिप्स

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आईबीएम सीएसआर बॉक्स के सहयोग से कौशल विकास कार्यक्रम कया गया।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आईबीएम स्किल बिल्डिंग कार्यक्रम से संबंद्ध विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के कौशल का प्रशिक्षण दिया। जिसमें बायोडाटा तैयार करना व साक्षात्कार हेतु तैयारी करना प्रमुख रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से पढ़ाई के बाद रोजगार के क्षेत्र में सफलता पाने में मदद मिलेगी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में आईबीएम सीएसआर बॉक्स की ओर से स्वधा राय व इशु यादव ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया और उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का निदान भी किया।

विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ। संवाद

प्रो. गर्ग ने बताया कि दो दिनों में आयोजित विभिन्न सत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी प्रतिभागियों को उपलब्ध कराया गया। इस आयोजन में डॉ. तरुण, डॉ. एपी शर्मा व प्रीति ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज से, देश-विदेश के विद्वान होंगे एकत्र

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत वीरवार 24 नवम्बर से होने जा रही है। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्तांबुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल उपस्थित रहेंगे। जबकि विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. सिंघल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव की कार्यक्रम गौरवमयी उपस्थिति रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़ने वाले प्रतिभागियों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही आईजीयू के सहयोग से आयोजित यह सम्मेलन भूगोल के क्षेत्र में जारी विभिन्न नए बदलावों को जानने-समझने में मददगार साबित होगा। विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार व भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिनमें देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से विशेषज्ञ व प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज का वीडियो संदेश संबोधित करेंगे। डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव के सहयोग से इस आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और अवश्य ही यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

आईबीएम के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दी ट्रेनिंग

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आईबीएम सीएसआरबॉक्स के सहयोग से कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में आईबीएम स्किल बिल्डिंग प्रोग्राम से संबंद्ध विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के कौशल का प्रशिक्षण दिया। जिसमें बायोडाटा तैयार करना व साक्षात्कार हेतु तैयारी करना प्रमुख रहे। विश्वविद्यालय

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से पढ़ाई के बाद रोजगार के क्षेत्र में सफलता पाने में मदद मिलेगी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में आईबीएम सीएसआरबॉक्स की ओर से स्वधा राय व इशु यादव ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया और उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का निदान भी किया। प्रो. गर्ग ने बताया कि दो दिनों में आयोजित विभिन्न सत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी प्रतिभागियों को उपलब्ध कराया गया और इस आयोजन में डॉ. तरूण, डॉ. ए.पी. शर्मा व सुश्री प्रीति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रोजगार के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम से मिलेगी मदद: प्रो.टंकेश्वर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आइबीएम सीएसआरबाक्स के सहयोग से कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आइबीएम स्किल बिल्डिंग प्रोग्राम से संबंद्ध विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के कौशल का प्रशिक्षण दिया। जिसमें बायोडाटा तैयार करना व साक्षात्कार के लिए तैयारी करना प्रमुख रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम से पढ़ाई के बाद रोजगार के क्षेत्र में सफलता पाने में मदद मिलेगी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में आइबीएम सीएसआर बाक्स की ओर से स्वधा राय व इशु यादव ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया और उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का निदान भी किया। प्रो. गर्ग ने बताया कि दो दिनों में आयोजित विभिन्न सत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी प्रतिभागियों को उपलब्ध कराया गया और इस आयोजन में डा. तरूण, डा. एपी शर्मा व प्रीति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

भूगोल के क्षेत्र में हो रहे बदलावों पर आज से होगा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत 24 नवंबर से होने जा रही है। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आइजीयू) के सहयोग व (आइसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्किये के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल उपस्थित रहेंगे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी सिंघल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव की कार्यक्रम गौरवमयी उपस्थिति रहेंगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने इस आयोजन को विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़ने वाले प्रतिभागियों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही आइजीयू के सहयोग से आयोजित यह सम्मेलन भूगोल के क्षेत्र में जारी विभिन्न नए बदलावों को जानने-समझने में मददगार साबित होगा। विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डा. मनीष, आयोजन सचिव डा. पंकज व भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र ने बताया सम्मेलन में विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इनमें देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से विशेषज्ञ व प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज का वीडियो संदेश संबोधित करेंगे। डा. खेराज, डा. सीएम, डा. संदीप व डा. कपिल देव के सहयोग से इस आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई है।

Two day International Conference at Central University of Haryana

Urvashi Rana
info@impressivetimes.com

MAHENDARGARH : The two-day international conference is going to start from Thursday, November 24, at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. In the inaugural session of this conference, organized in collaboration with the International Geographical Union (IGU) and sponsored by Indian Council of Social Science Research (ICSSR), the Vice-Chancellor of the Central University of Punjab, Prof. R.P. Tiwari will be present as the chief guest and the first president of the International Geographical Union, Prof. Nathalie Lemarchand and Head of Department of Geography, Istanbul University, Turkey and Secretary General of International Geographical Union Prof. Barbaros Gonengil will be present as Guest of Honour while former Vice Chancellor of Rajasthan University, Jaipur Prof. J. P. Singhal, Vice Chancellor of Indira Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi Prof. Nageshwar Rao and Pro Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Sushma Yadav will be the Special Guest. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar described this event important for the participants joining from various educational institutions of the country including students and researchers. He said that definitely this conference, organized in collaboration with IGU,

Dr. Manish Kumar said that all the preparations for this event have been completed with the help of Dr. Kheraj, Dr. C.M.Meena, Dr. Sandeep Rana and Dr. Kapil Dev, and definitely this event will prove to be useful for the

हकेंवि में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

महेंद्रगढ़, 23 नवम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत वीरवार 24 नवम्बर से होने जा रही है।

इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के सहयोग व आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल उपस्थित रहेंगे जबकि विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. सिंघल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की कार्यक्रम गौरवमयी उपस्थिति रहेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़ने वाले प्रतिभागियों के लिए महत्वपूर्ण बताया।

हकेंवि में आई.बी.एम. के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ ।

महेंद्रगढ़, 23 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा आई.बी.एम. सी.एस.आर.बॉक्स. के सहयोग से कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 2 दिवसीय इस कार्यक्रम में आई.बी.एम. स्किल बिल्डिंग प्रोग्राम से संबंद्ध विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के कौशल का प्रशिक्षण दिया। जिसमें बायोडाटा तैयार करना व साक्षात्कार हेतु तैयारी करना प्रमुख रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इस 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से पढ़ाई के बाद रोजगार के क्षेत्र में सफलता पाने में मदद मिलेगी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि 2 दिवसीय इस आयोजन में आई.बी.एम. सी.एस.आर. बॉक्स की ओर से स्वधा राय व इशु यादव ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।

हकेंवि

कुलपति बोले- पर्यावरणीय चुनौतियों के निदान में सहयोगी साबित होगा सम्मेलन

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानवजाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौति जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। उन्होंने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फॉर लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार साबित होगी। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के अध्यक्ष प्रो. जेपी सिंघल ने कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों का निदान पा सकते हैं। हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने पृथ्वी को भारतीय संस्कृति में प्रदान किए गए मातृशक्ति के पद का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें वासुदैव कुटुम्बकम की अवधारणा का अनुसरण करते हुए मानवजाति के कल्याण के लिए कार्य करने चाहिए। इस अवसर पर भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ, मुख्यातिथि आरपी तिवारी बोले-

मानवजाति के समक्ष आने वाली प्राकृतिक चुनौतियों के निदान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण

▪ कुलपति बोले- पर्यावरणीय चुनौतियों के निदान में सहयोगी साबित होगा दो दिवसीय मंथन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हो गई। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. आर.पी. तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानवजाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। प्रो. तिवारी ने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फॉर लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विषय आज के समय में बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसका निदान सतत विकास और सामूहिक प्रयास से ही संभव है। कुलपति ने कहा कि इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार सबित होगी।

राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने विषय को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों का निदान पा सकते हैं। इस अवसर पर हकेवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव,

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रो. आर.पी तिवारी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

इससे पूर्व में उद्घाटन सत्र को इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज का वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। इसी क्रम में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने भी आयोजन के महत्त्व व इसमें होने वाली चर्चा पर विस्तार से अपनी बात रखी। अतिथियों ने आयोजन की स्मारिका व प्रो. महताब सिंह राणा की पुस्तक का विमोचन भी किया।

प्रकृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आइजीयू) के सहयोग व (आइसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानवजाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। प्रो. तिवारी ने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फार लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार साबित होगी। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ) के अध्यक्ष प्रो. जेपी सिंघल ने कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों का निदान पा सकते हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आइजीयू के प्रयासों से आयोजित यह भव्य आयोजन इस दिशा में नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा। हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यदि हम पर्यावरण के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का आकलन कर निदान के लिए प्रयास करेंगे तो अवश्य ही अवसर विकसित होंगे।

इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्किये के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने भी आयोजन के महत्त्व व इसमें होने वाली चर्चा पर विस्तार से अपनी बात रखी। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण सम्मेलन के संयोजक डा. मनीष कुमार ने प्रस्तुत किया जबकि आयोजन सचिव डा. पंकज कुमार ने दो दिवसीय आयोजन की रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की। आयोजन में अतिथियों ने आयोजन की स्मारिका व प्रो. महताब सिंह राणा की पुस्तक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. अभिरंजन कुमार व डा. रितु ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन भूगोल विभाग के डा. खेराज ने प्रस्तुत किया। डा. मनीष कुमार ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश से 600 प्रतिभागी पंजीकृत हुए ।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ● सौ. प्रवक्ता

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आदर्श राजा कौटिल्य और भगवद्गीता में राजर्षु की अवधारणा विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीईसीसीएएन, पुणे के कुलाधिपति प्रो. एके जमखेडकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कौटिल्य और भगवद्गीता के बारे में विद्यार्थियों जानकारी प्रदान की।

विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरुआत में विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. गौरव सिंह ने व्याख्यान की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि का परिचय प्रो. दिनेश ने प्रस्तुत किया। व्याख्यान के मुख्य अतिथि प्रो. एके जमखेडकर अपने व्याख्यान में आदर्श राजा कौटिल्य और भगवद्गीता में राजर्षु की अवधारणा, अस्वमेद, वज्पेया एवं रजस्या के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। उन्होंने बौद्ध दर्शन पर चर्चा करते हुए चक्रवर्ती की धारणा एवं महासम्मत के बारे में विस्तार से व्याख्या की।

प्रकृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से निपटने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्णः तिवारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हो गई। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आरपी तिवारी व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आदर्श राजा, कौटिल्य और भगवत गीता में राजर्षु की अवधारणा विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीईसीसीएएन पुणे के कुलाधिपति प्रो. एके जमखेडकर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कौटिल्य और भगवद गीता के बारे में विद्यार्थियों जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत में विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. गौरव सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए व्याख्यान की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसी क्रम में मुख्यातिथि का परिचय प्रो. दिनेश ने प्रस्तुत किया। व्याख्यान के मुख्यातिथि प्रो. एके जमखेडकर अपने व्याख्यान में आदर्श राजा: कौटिल्य और भगवद गीता में राजर्षु की अवधारणा व अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

Two-day international conference started at Central University of Haryana

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: A two-day international conference focused on the theme 'Sustainability, Future, Earth and Humanities: Opportunities and Challenges' inaugurated at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Conference sponsored by ICSSR in collaboration with International Geographical Union (IGU), the Vice-Chancellor of Central University of Punjab, Prof. R.P. Tiwari was present as the Chief Guest, while the first president of the International Geographical Union, Prof. Nathalie Lemarchand and Head of Department of Geography, Istanbul University, Turkey and Secretary General of International Geographical Union Prof. Barbaros Gonengil joined in as a Guest of Honour. Former Vice Chancellor of Rajasthan University, Jaipur, Prof. J.P. Singhal and Pro-Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Sushma Yadav addressed the participants as Special Guests at the event. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. Prof. R.P. Tiwari said that in today's time, the biggest challenge before mankind is climate change. To solve this, it is necessary that everyone should work together under a detailed action plan keeping sustainable development at the center. Prof. Tiwari emphasized on the development of Indian culture and efforts for changes by presenting examples of Vocal for Local. Describing the role of students, researchers, teachers and educational institutions important in this direction, Prof. Tiwari said that through such events it would definitely be possible to solve the problem of climate change faced by the entire human race. While expressing gratitude to the national, international scholars and experts involved in the event, Prof. Tankeshwar Kumar said that this topic is very important in today's time and its diagnosis is possible only through continuous development and collective efforts.

DESCRIBING THE EVENT IMPORTANT, PRO-VICE CHANCELLOR OF CUH PROF. SUSHMA YADAV SAID THAT IF WE ASSESS THE CHALLENGES FACED BY THE ENVIRONMENT AND TRY TO SOLVE THEM,

हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ

प्रकृति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के निदान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो. तिवारी

कुलपति बोले- पर्यावरणीय चुनौतियों के निदान में सहयोगी साबित होगा 2 दिवसीय मंथन

महेंद्रगढ़, 24 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हो गई।

इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आई.जी.यू.) के सहयोग व आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए।

आयोजन में विशेषातिथि के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के पूर्व कुलपति प्रो. जे.पी. सिंघल व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. आर.पी. तिवारी ने कहा कि आज के समय में मानव जाति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौति जलवायु परिवर्तन है। इसके निदान के लिए आवश्यक है कि सभी मिलकर सतत विकास को केंद्र में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना के तहत प्रयास करें। प्रो. तिवारी ने भारतीय संस्कृति के विकास और वोकल फॉर लोकल के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बदलावों के लिए प्रयास करने पर जोर दिया।

प्रो. तिवारी ने इस दिशा में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से समस्त मानव जाति के समक्ष उपस्थित जलवायु परिवर्तन की समस्या का निदान संभव होगा।

इसी क्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन में सम्मिलित राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विषय आज के समय में बेहद महत्वपूर्ण है और इसका निदान सतत विकास और सामूहिक प्रयास से ही संभव है।

इस आयोजन में विभिन्न स्तर पर होने वाली चर्चा अवश्य ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार साबित होगी।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्यातिथि प्रो. आर.पी. तिवारी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हमें वासुदैव कुटुम्बकम का अनुसरण कर मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य करने चाहिए: प्रो. सुषमा यादव

राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सतत विकास के माध्यम से हम पर्यावरणीय चुनौतियों से निदान पा सकते हैं। उन्होंने इस दिशा में जारी प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आई.जी.यू. के प्रयासों से आयोजित यह भव्य आयोजन इस दिशा में नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि हम पर्यावरण के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का आकलन कर निदान के लिए प्रयास करेंगे तो अवश्य ही अवसर विकसित होंगे। प्रो. सुषमा यादव ने पृथ्वी को भारतीय संस्कृति में प्रदान किए गए मातृशक्ति के पद का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें वासुदैव कुटुम्बकम की अवधारणा का अनुसरण करते हुए मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य करने चाहिए। भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

देश-विदेश से 600 प्रतिभागी पंजीकृत

इससे पूर्व में उद्घाटन सत्र को इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के अध्यक्ष प्रो. माइकल मीडोज ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। इसी क्रम में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद व इस्ताम्बुल विश्वविद्यालय, तुर्की के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष व इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने भी आयोजन के महत्व व इसमें होने वाली चर्चा पर विस्तार से अपनी बात रखी। आयोजन में अतिथियों ने आयोजन की स्मारिका व प्रो. महताब सिंह राणा की पुस्तक का विमोचन भी किया।

डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश से 600 प्रतिभागी पंजीकृत हुए हैं और इस दो दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन में विभाग के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार व शिक्षक डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. संदीप राणा व डॉ. कपिल देव सहित आयोजन समिति के सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

'आदर्श राजा: कौटिल्य और भगवद् गीता में राजर्षु की अवधारणा' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

व्याख्यान में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व मुख्यातिथि प्रो. ए.के. जमखेडकर।

महेंद्रगढ़, 24 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'आदर्श राजा: कौटिल्य और भगवद् गीता में राजर्षु की अवधारणा' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डी.ई. सी. सी.ए.एन., पुणे के कुलाधिपति प्रो. ए.के. जमखेडकर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कौटिल्य और भगवद् गीता के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की।

विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत में विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. गौरव सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए व्याख्यान की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्यातिथि का

■ डी. ई. सी. सी. ए.एन., पुणे के कुलाधिपति प्रे. ए.के. जमखेडकर ने किया संबोधित

परिचय प्रो. दिनेश ने प्रस्तुत किया।

मुख्यातिथि प्रो. ए.के. जमखेडकर ने अपने व्याख्यान में 'आदर्श राजा: कौटिल्य और भगवद् गीता में राजर्षु की अवधारणा, अस्वमेद, वज्पेया एवं रजस्या' के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया।

उन्होंने बौद्ध दर्शन पर चर्चा करते हुए चक्रवर्ती की धारणा एवं महासम्मत के बारे में विस्तार से व्याख्या की। प्रो. जमखेडकर ने जैन धर्म के अंतर्गत आसी, मासी, कशी अर्थात् तकनीकी लेखन एवं कृषि पर चर्चा के साथ कौटिल्य के अर्थशास्त्र की अवधारणा एवं एक राजा किन-किन गुणों के अधिकारी होने चाहिए, पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के माध्यम से आजादी के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यों का स्मरण करना चहिए। उन्होंने आजादी के महत्व और आजाद भारत में विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास और भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. नंद किशोर, डॉ. मंजू, डॉ. सरन प्रसाद, डॉ. अमित, डॉ. रेनु, डॉ. आरती, दिलीप, डॉ. चांद वीर सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोद्यार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

हकेवि में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया।

इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पी.बी. सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे। समापन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

सम्मेलन समापन सत्र में दीप्रज्जवलित करते मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि

इसके पश्चात भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इसी क्रम में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में आयोजि यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में सम्पन्न हुए इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति की सराहना की।

प्रो. राणा पी.बी. सिंह ने दो दिवसीय इस आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस आयोजन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम

संविधान की आत्मा है इसकी उद्देशिका - प्रो. टंकेश्वर कुमार

संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में ग के अवसर पर शुक्रवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

संविधान दिवस का महत्व बताते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय की विधि पीठ में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार मक्कड़ व कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र के विधि विभाग में प्रो. सुशीला चौहान उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन की शुरूआत संविधान की उद्देशिका के पाठ से की। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन समूचे राष्ट्र के लिए महत्त्वपूर्ण है।

उन्होंने अपने संबोधन में भारत की पुरातन सभ्यता व संस्कृति और उसमें समाहित विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान एक ऐसा माध्यम है जो इन विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखे हुए है। कुलपति ने अपने संबोधन में उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने संविधान में वर्णित अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों का भी उल्लेख किया और विद्यार्थियों व शोधार्थियों को इन कर्त्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने संविधान दिवस की महत्ता का उल्लेख करते हुए विधि विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम को महत्त्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संविधान से जुड़े पक्षों को जानने में मदद मिलेगी। इससे पूर्व में विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका मलिक ने कार्यक्रम की रूपरेखा व संविधान दिवस के आयोजन के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुशीला चौहान ने अपने संबोधन में भारत की स्वतंत्रता के बाद संविधान के निर्माण को एक महत्त्वपूर्ण बदलाव बताया और कहा कि 26 नवंबर का दिन बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान ही हमें स्वतंत्रता के आजादी जीने का अधिकार प्रदान करता है और ऐसे में इस अवसर को प्रदान करने वाले संविधान निमार्ताओं को याद करने का भी यह महत्त्वपूर्ण अवसर है। प्रो. सुशीला चौहान ने बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण में उनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है और इसके लिए हम सभी उनके आभारी हैं। अन्य विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अशोक कुमार मक्कड़ ने मौलिक अधिकारों व मौलिक कर्त्तव्यों के समांजस्य पर बल देत हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि व अपने कर्त्तव्यों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। उन्होंने संवैधानिक व सामाजिक नैतिकता पर विस्तार से अपनी बात रखी। कार्यक्रम के अंत में विधि पीठ के अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार मलिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेवि के 2 विद्यार्थियों का पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर हेतु चयन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र अमरदीप कुमार एवं बी. वॉक. रिटेल एण्ड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा शैली यादव का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 हेतु हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े मंचों पर भी अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से विश्वविद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

शैली यादव

अमरदीप कुमार

आज समाज

उन्होनें विद्यार्थियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन हेतु शिक्षकों के योगदान को भी सराहा और सफलता के इस क्रम को निरन्तर जारी रखने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मंत्रालय एवं खेल मंत्रालय द्वारा बीती 07 अक्टूबर 2022 को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय चयन शिविर से विश्वविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 हेतु हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनों चयनित विद्यार्थी 26 नवम्बर 2022 से 5 दिसम्बर 2022 तक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा पंजाब में आयोजित होने वाले उत्तर क्षेत्रीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में प्रतिभागिता करेंगे।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 में दिल्ली सहित राजस्थान, चण्डीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू कश्मीर व लद्दाख के 200 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक व 10 दल नायक हिस्सा लेंगे। इस शिविर के बाद स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस के लिए आयोजित होने वाले शिविर में प्रतिभागिता का अवसर मिलेगा। उसके बाद उन्हें 26 जनवरी 2023 को राजपथ पर होने वाली परेड का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से पहुंचे 700 प्रतिभागी

जलवायु परिवर्तन सहित कई चुनौतियों के निदान पर मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया।

इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर की ओर से आयोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पीबी सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलित करते मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि। संवाद

समापन सत्र की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसी क्रम में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यलाय कुलपति के नेतृत्व में संपन्न हुए इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति की सराहना की। प्रो. राणा पी.बी. सिंह ने दो दिवसीय इस आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्त्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस आयोजन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। इसी क्रम में समापन सत्र में सम्मिलित विशिष्ट अतिथि प्रो. नथाली लेमचंद ने इस दो दिवसीय आयोजन की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। आयोजन के अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के शिक्षक डॉ. सी.एम. मीणा ने विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार, सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नरेश वर्मा, डॉ. संदीप राणा, डॉ. कपिल देव, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. रितु, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित समस्त सहयोगी का आभार व्यक्त किया।

अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के लिए किया प्रेरित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की विधि पीठ में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुई। विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन समूचे राष्ट्र के लिए महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की पुरातन सभ्यता व संस्कृति और

विद्यार्थियों को संबोधित कते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

उसमें समाहित विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान एक ऐसा माध्यम है जो इन विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखे हुए है।

कुलपति ने उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार के लिए विश्वविवद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने संविधान में वर्णित अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों का भी उल्लेख किया और विद्यार्थियों व शोधार्थियों को इन कर्त्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने संविधान दिवस की महत्ता का उल्लेख करते हुए विधि विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम को महत्त्वपूर्ण बताया। इससे पूर्व में विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका मलिक ने कार्यक्रम की रूपरेखा व संविधान दिवस के आयोजन के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुशीला चौहान ने कहा कि 26 नवंबर का दिन बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान ही हमें स्वतंत्रता के आजादी जीने का अधिकार प्रदान करता है और ऐसे में इस अवसर को प्रदान करने वाले संविधान निर्माताओं को याद करने का भी यह महत्त्वपूर्ण अवसर है।

उन्होंने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण में उनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है। प्रो. अशोक कुमार मक्कड़ ने मौलिक अधिकारों व मौलिक कर्त्तव्यों के समांजस्य पर बल देत हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि व अपने कर्त्तव्यों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। कार्यक्रम के अंत में विधि पीठ के अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार मलिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. समीक्षा गोदारा, राकेश मीणा और डॉ. कुलवंत मौजूद रहे।

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए अमरदीप और शैली चयनित

संवाद न्यूज एजेंसी

अमरदीप कुमार।

शैली यादव।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) महेन्द्रगढ के बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र अमरदीप कुमार एवं बीवॉक रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा शैली यादव का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 के लिए हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े मंचों पर भी अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से विश्वविद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होनें विद्यार्थियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन हेतु शिक्षकों के योगदान को भी सराहा और सफलता के इस क्रम को निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मंत्रालय एवं खेल मंत्रालय द्वारा बीती 7 अक्टूबर 2022 को चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय चयन शिविर से विश्वविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 हेतु हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनों चयनित विद्यार्थी 26 नवंबर से 5 दिसंबर तक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा पंजाब में आयोजित होने वाले उत्तर क्षेत्रीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में प्रतिभागिता करेंगे। गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 में दिल्ली सहित राजस्थान, चण्डीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू कश्मीर व लद्दाख के 200 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक व 10 दल नायक हिस्सा लेंगे। इस शिविर के बाद स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस के लिए आयोजित होने वाले शिविर में प्रतिभागिता का अवसर मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन: हकेंवि में आयोजित हुआ था दो दिवसीय सम्मेलन

देश-विदेश के आए 700 प्रतिभागियों के किया भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर मंथन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पी.बी. सिंह व केंविवि के कुलसचिव प्रो.भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पी.बी. सिंह व केंविवि के कुलसचिव प्रो.सुनील कुमार उपस्थित रहे।

समापन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में सम्पन्न हुए इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति की सराहना की। प्रो. राणा पी.बी. सिंह ने दो दिवसीय इस आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्हों

इसी क्रम में समापन सत्र में सम्मिलित विशिष्ट अतिथि प्रो. नथाली लेमचंद ने इस दो दिवसीय आयोजन की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। आयोजन के अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के शिक्षक डॉ. सी.एम. मीणा ने विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार, सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नरेश वर्मा, डॉ. संदीप राणा, डॉ. कपिल देव, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. रितु, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित समस्त सहयोगी का आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में दीप्रज्वलित करते मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि

विकास, भविष्य और मानविकी की चुनौतियों पर की चर्चा

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकीः अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आइजीयू) के सहयोग व आइसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल रहे। विशिष्ट अतिथि इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पीबी सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार रहे।

भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डा. खेराज ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. राणा पीबी सिंह ने आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस आयोजन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। सम्मेलन के संयोजक डा. मनीष कुमार ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के शिक्षक डा. सीएम मीणा ने विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र कुमार, सम्मेलन के आयोजन सचिव डा. पंकज कुमार, डा. नरेश वर्मा, डा. संदीप राणा, डा. कपिल देव, डा. अभिरंजन कुमार, डा. रितु का आभार व्यक्त किया।

******

'संविधान की आत्मा है इसकी उद्देशिका'

हकेंवि में संविधान दिवस पर हुआ कार्यक्रम

संविधान दिवस पर संबोधित करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में संविधान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विशेषज्ञ व्याख्यान हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। विशेषज्ञ वक्ता चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार मक्कड़ व कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र के विधि विभाग की प्रो. सुशीला चौहान उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि अवश्य ही इससे विद्यार्थियों को भारतीय संविधान से जुड़े पक्षों को जानने में मदद मिलेगी। विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मौनिका मलिक ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. सुशीला चौहान ने कहा कि संविधान ही हमें स्वतंत्रता से जीने का अधिकार प्रदान करता है। डा. भीमराव आंबेडकर ने संविधान निर्माण में भूमिका महत्वपूर्ण निभाई । प्रो. अशोक कुमार मक्कड़ ने मौलिक अधिकारों व मौलिक कर्तव्यों के सामंजस्य पर बल देते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। विधि पीठ के अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार मलिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. धर्मपाल पूनिया, डा. प्रदीप कुमार, डा. समीक्षा गोदारा, राकेश मीणा व डा. कुलवंत मलिक सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे।

अधिकार एवं कर्तव्य एक सिक्के के दो पहलू : राजेश दुआ

संवाद सहयोगी, मंडी अटेली : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षक परिषद गुरुग्राम के तत्वावधान में चंपादेवी राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली में प्राचार्य कुसुमलता यादव की अध्यक्षता में युवा संसद कार्यक्रम किया गया। स्कूल की छात्राओं ने संसदीय कार्रवाई को मूर्तरूप प्रदान किया। जिला शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संस्थान महेंद्रगढ़ की ओर से पर्यवेक्षक राजेश दुआ एवं रामेश्वर दयाल ने युवा संसदीय कार्रवाई का अवलोकन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता डा. सीएस वर्मा ने किया।

राजेश दुआ ने कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है, जहां जनकल्याण के लिए दुआएं मांगी जाती हैं। अधिकारों एवं कर्तव्यों को सिक्के के दो पहलू बताते हुए राजेश दुआ ने कहा कि हमें अधिकारों की मांग से पहले अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। पर्यवेक्षक रामेश्वर दयाल ने कहा कि आज का युवा राष्ट्र का भावी कर्णधार है। युवा संसद कार्यक्रम से छात्रों को मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा संविधान की महत्वपूर्ण जानकारी हासिल होती है।

युवा संसद कार्यक्रम में प्रतिभागी विपक्षी सांसदों ने देश में बढ़ती महंगाई, सड़क दुर्घटना तथा राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था में मंदी के दौर पर सरकार को घेरने का प्रयास किया। सरकार ने तथ्य आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विपक्ष को जवाब दिया। युवा संसद में सरकार द्वारा महिला आरक्षण पर बिल प्रस्तुत कर चर्चा करवाई गई तथा बहुमत के आधार पर बिल पास किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक राजनीति शास्त्र प्रवक्ता राजेश कुमार, सविता शर्मा व एसएमसी प्रधान अंबिका यादव मौजूद रहे।

अटेली स्कूल में युवा संसद में भाग लेतीं छात्राएं ● जागरण

दो विद्यार्थियों का गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र अमरदीप कुमार एवं बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा शैली यादव का चयन उत्तर क्षेत्रीय गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े मंचों पर भी नाम रोशन कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि दोनों विद्यार्थी 26 नवंबर से पांच दिसंबर तक

अमरदीप कुमार ● छात्रा शैली यादव ●

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा पंजाब में होने वाले उत्तर क्षेत्रीय गणतंत्र दिवस परेड शिविर में प्रतिभागिता करेंगे। इसके बाद गणतंत्र दिवस के लिए लगने वाले तैयारी शिविर में शामिल होंगे। उसके बाद उन्हें 26 जनवरी को राजपथ पर होने वाली परेड का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

प्रदेश के लिए चुने गए रितू और अभिषेक

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः यदुवंशी डिग्री कालेज के दो विद्यार्थियों रितु वालीबाल व अभिषेक का चयन खेलो हरियाणा के लिए हुआ है। रितु का वालीबाल के खेल के लिए चयन हुआ, वहीं अभिषेक का कबड्डी में चयन हुआ। इन दोनों विद्यार्थियों के कालेज पहुंचने पर सम्मानित किया गया। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि खेलों में रुचि दिखाना भी देश सेवा है, जो खिलाड़ी मेडल लेकर आते हैं, उनसे देश का नाम रोशन होता है। इसलिए खेलों में बढ़चढ़कर भाग लेना चाहिए। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह

छात्रा रितू ● छात्र अभिषेक ●

यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव व डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने भी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देकर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर कालेज प्राचार्य मनोज कुमार, बीएड कालेज प्राचार्य बबरूभान, डा. प्रदीप यादव ने बधाई देते हुए विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया।

हकेंवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

महेंद्रगढ़। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में दीप प्रज्ज्वलित करते मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- देश-विदेश के आए 700 से अधिक प्रतिभागियों के किया मंथन

- देश-विदेश के आए 700 से अधिक प्रतिभागियों के किया मंथन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) के सहयोग व आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पीबी सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे। समापन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया।

देश-विदेश से प्रतिभागी

कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने दो दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। इसी क्रम में समापन सत्र में सम्मिलित विशिष्ट अतिथि प्रो. नथाली लेमचंद ने इस दो दिवसीय आयोजन की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया। आयोजन के अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में भूगोल विभाग के शिक्षक डॉ. सीएम मीणा ने विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार, सचिव डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नरेश वर्मा, डॉ. संदीप राणा, डॉ. कपिल देव, डॉ. अभिरंजन कुमार, डॉ. रितु, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित समस्त सहयोगी का आभार व्यक्त किया।

हकेंवि के दो विद्यार्थियों का गणतंत्र दिवस परेड में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र अमरदीप कुमार एवं बीवॉक रिटेल एडं लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा शैली यादव का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े मंचों पर भी अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से विश्वविद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई

अमरदीप कुमार

शैली यादव

समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मंत्रालय एवं खेल मंत्रालय द्वारा बीती सात अक्टूबर को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय चयन शिविर से विश्वविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 हेतु हुआ है।

Two-day International Conference concluded at Central University of Haryana

The valedictory session began with the University Kulgeet. Dr. Kheraj introduced the chief guest and Guest of Honour while presenting the welcome speech.

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDARGARH: A two-day International Conference on Sustainability, Future, Earth and Humanities: Opportunities and Challenges concluded on Friday at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. In the valedictory session of this conference sponsored by ICSSR in collaboration with International Geographical Union (IGU), Prof. Barbaros Gonengil, General Secretary, IGU was the chief guest while the first President of the International Geographical Union, Prof. Nathalie Lemarchand, Prof. Rana P.B. Singh from Banaras Hindu University and Registrar of Central University of Haryana, Prof. Sunil Kumar were present as the Guest of Honour. The valedictory session began with the University Kulgeet. Dr. Kheraj introduced the chief guest and Guest of Honour while presenting the welcome speech. Prof. Barbaros Gonengil credited the success of the two-day event to the Prof. Tankeshwar Kumar and his team. He said that the hard work of the entire organizing body has brought success to this event. Certainly, this event will pave the way for the development of opportunities and diagnosis of various challenges present in the field of geography including climate change. Prof. Sunil Kumar said that this program organized in the University will certainly prove to be helpful in preparing future plans in this area. Prof. Sunil Kumar praised the entire organizing committee for this grand event organized under the leadership of Vice-Chancellor of the University. Prof. Rana P.B. Singh described this two-day event important for a new discussion in the field of geography. He said that the participants involved in the event would be helped to move forward in their field of work through this event.

C.M. MEENA ALONG WITH HEAD OF THE DEPARTMENT DR. JITENDRA KUMAR, ORGANIZING SECRETARY OF THE CONFERENCE DR. PANKAJ KUMAR, DR. NARESH VERMA, DR. SANDEEP RANA, DR. KAPIL DEV, DR. ABHIRANJAN KUMAR, DR. RITU, STUDENTS, RESEARCH SCHOLARS, TEACHERS, NON-TEACHING STAFF EXPRESSED GRATITUDE TO ALL THE COLLABORATORS.

2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन, 700 से अधिक प्रतिभागियों के किया मंथन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में दीप प्रज्वलित करते मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि।

महेंद्रगढ़, 25 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सतत विकास, भविष्य, पृथ्वी और मानविकी: अवसर व चुनौतियां विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हो गया। इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आई.जी.यू.) के सहयोग व आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन के महासचिव प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल शामिल हुए जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरनैशनल ज्योग्राफिकल यूनियन की प्रथम अध्यक्ष प्रो. नथाली लेमचंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. राणा पी.बी. सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

समापन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथियों का परिचय करवाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बारबारोस गोनेन्गिल ने 2 दिवसीय आयोजन की सफलता का श्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की सफलता में समस्त आयोजक मंडल की कड़ी मेहनत लगी है। अवश्य ही यह आयोजन जलवायु परिवर्तन सहित भूगोल के क्षेत्र में उपस्थित विभिन्न चुनौतियों के निदान व अवसरों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा सम्मेलनः प्रो. सुनील

विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम अवश्य ही इस क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मददगार साबित होगा। प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में सम्पन्न हुए इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति की सराहना की।

प्रो. राणा पी.बी. सिंह ने 2 दिवसीय इस आयोजन को भूगोल के क्षेत्र में नए विमर्श के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को इस आयोजन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

इसी क्रम में समापन सत्र में सम्मिलित विशिष्ट अतिथि प्रो. नथाली लेमचंद ने इस 2 दिवसीय आयोजन की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। आयोजन के अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. मनीष कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि आयोजन में देश-विदेश से करीब 700 प्रतिभागी, वक्ता, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी सम्मिलित हुए।

भारतीय संविधान की आत्मा है इसकी उद्देशिका: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 25 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में संविधान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की विधि पीठ में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुई।

इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार मक्कड़ व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के विधि विभाग में प्रो. सुशीला चौहान उपस्थित रहीं।

संविधान दिवस के अवसर पर अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

संविधान ही हमें स्वतंत्रता से जीने का अधिकार प्रदान करता है : प्रो. सुशीला चौहान

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुशीला चौहान ने अपने संबोधन में भारत की स्वतंत्रता के बाद संविधान के निर्माण को एक महत्वपूर्ण बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान ही हमें स्वतंत्रता से जीने का अधिकार प्रदान करता है और ऐसे में इस अवसर को प्रदान करने वाले संविधान निर्माताओं को याद करने का भी यह महत्वपूर्ण अवसर है। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अशोक कुमार मक्कड़ ने मौलिक अधिकारों व मौलिक कर्त्तव्यों के समांजस्य पर बल देते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने कर्त्तव्यों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।

इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. समीक्षा गोदारा, राकेश मीणा व डॉ. कुलवंत मलिक सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधे हुए है संविधान

विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन की शुरूआत संविधान की उद्देशिका के पाठ से की। उन्होंने कहा कि 26 नवम्बर 1949 का दिन समूचे राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की पुरातन सभ्यता व संस्कृति और उसमें समाहित विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान एक ऐसा माध्यम है जो इन विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखे हुए है। कुलपति ने अपने संबोधन में उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने संविधान में वर्णित अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों का भी उल्लेख किया और विद्यार्थियों व शोधार्थियों को इन कर्त्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने संविधान दिवस की महत्ता का उल्लेख करते हुए विधि विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताया। डॉ. मोनिका मलिक ने कार्यक्रम की रूपरेखा व संविधान दिवस के आयोजन के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हकेंवि के 2 विद्यार्थियों का पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए चयन

महेंद्रगढ़, 25 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ के बी.टैक. इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र अमरदीप कुमार एवं बी. वॉक. रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमैंट की छात्रा शैली यादव का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 हेतु हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े मंचों पर भी अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से विश्वविद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन हेतु शिक्षकों के योगदान को भी सराहा और सफलता के इस क्रम को निरन्तर जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मंत्रालय एवं खेल मंत्रालय द्वारा बीती 7 अक्तूबर को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय चयन शिविर से विश्वविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 हेतु हुआ है।

अमनदीप कुमार।

शैली यादव।

इस शिविर के बाद स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस के लिए आयोजित होने वाले शिविर में प्रतिभागिता का अवसर मिलेगा। उसके बाद उन्हें 26 जनवरी 2023 को राजपथ पर होने वाली परेड का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

हकेंवि में शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 के पीएचडी शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का ओरिएंटेशन कार्यक्रम किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इसमें विशेषज्ञों से प्राप्त ज्ञान से प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 120 पीएचडी के शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है।विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो बैच सफलता पूर्वक पूर्ण हो चुके हैं और यह तीसरा बैच चल रहा है। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत दर्शनशास्त्र का परिचय कराते हुए पहला व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने संबोधन में शोध के प्रकारों, विधियों सहित विषय से जुड़ें विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संवाद

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ। संवाद

हकेंवि में शोधार्थियों के लिए शोध व प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम शुरू

पीएचडी शोधार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 के पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसमें विशेषज्ञों से प्राप्त ज्ञान से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 120 पीएच. डी. के शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो बैच सफलता पूर्वक पूर्ण हो चुके हैं और यह तीसरा बैच चल रहा है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ।

शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत दर्शनशास्त्र का परिचय कराते हुए शुक्रवार को पहला व्याख्यान दिया। प्रो. सारिका शर्मा ने अपने संबोधन में शोध के प्रकारों, विधियों सहित विषय से जुड़ें विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि अच्छा शोध सामाजिक और नैतिक मूल्यों का समर्थन करता है और बताया कि अच्छा शोध किस तरह से आमजन में विश्वास पैदा कर सकता है। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश कुमार धन्यवाद ज्ञापित करते हुए शोधार्थियों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में हकेंवि के 2 विद्यार्थियों का चयन

महेंद्रगढ़| हकेंवि के बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र अमरदीप कुमार एवं बी. वॉक. रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट की छात्रा शैली यादव का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2022 हेतु हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी है। एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि 7 अक्टूबर 2022 को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित राज्य स्तरीय चयन शिविर से दोनों विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

डाटा जर्नलिज्म के लिए खुद को करें तैयार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा गूगल न्यूज इनिशिएटिव के संयुक्तत्वावधान में डेटा वेरीफिकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन किया गया।

कार्यशाला में संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. उमेश आर्य विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला प्रामाणिक व विश्वसनीय डाटा उपलब्ध करवाने के संदर्भ में उपयोगी साबित होगी।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. उमेश आर्य ने कहा कि इंटरनेट पर सही सामग्री खोजने के लिए सही सवाल पूछना जरूरी है। आज के समय में डाटा बायोग्राफी को समझना अत्यंत आवश्यक है। डाटा बायोग्राफी से अभिप्राय है उस डाटा का उद्देश्य, उसे किसने एकत्रित किया है, क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है, किस समय का है, और किस संदर्भ में है। किसी भी डाटा की जांच के लिए क्या, क्यों कहां, कब और कैसे इन सवालों का उत्तर जरूर ढूंढें। प्रो. आर्य ने कहा कि वर्तमान समय में डाटा जर्नलिज्म के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और करियर के अवसर है। वर्तमान दौर में पत्रकारिता करने के लिए हर पत्रकार को डाटा को समझना आवश्यक है। पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा वर्तमान समय में डाटा लिट्रेसी और डाटा सेंस सभी के लिए आवश्यक है। इस कार्यशाला से विद्यार्थियों और शोधार्थियों की डिजिटल लिटरेसी के बारे में जागरूकता बढ़ी है। भविष्य के पत्रकारों के लिए डाटा पत्रकारिता 21वीं सदी का स्किल है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. पंकज कुमार, डा. सुरेंद्र कुमार, डा. नीरज कर्ण सिंह, आलेख नायक व भारती बत्रा सहित भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते प्रो.उमेश आर्य ● सौ. हकेंवि

हकेंवि में शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 के पीएचडी शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से आयोजन को शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसमें विशेषज्ञों से प्राप्त ज्ञान से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 120 पीएचडी के शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं और यह तीसरा बैच चल रहा है। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत दर्शनशास्त्र का परिचय कराते हुए शुक्रवार को पहला व्याख्यान दिया।

- पीएचडी शोधार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ। *फोटो : हरिभूमि*

A one day Workshop on Fact Check and Data Analysis

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDARGARH: Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organized a one day Workshop in joint collaboration with Google News initiative on Fact Check and Data Analysis' in the Department of Journalism and Mass Communication. Professor Umesh Arya from Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJU), Hissar, shared valuable insights with the students on the importance of data and fact check in the Research. He talked about the importance of developing a data frame of mind, collecting data in a disciplined way and scientific way of searching. He throws light on particular terms like Data Biography, Data Pipeline and Pinpoint. In today's age of information overload, it's crucial for researchers to make sense of data. Prof. Arya said that don't believe in data if it does not have a biography. 5Ws and 1H of Data to be kept in mind while scrutinizing data. Putting emphasis on the scientific way of searching, he familiarised scholars with Pinpoint, multipurpose application, where data is stored up to 100 GB and gets transcribed in all formats HTML, JPEG, PNG. Head of the Department, Associate Professor Dr. Ashok Kumar expressed gratitude on the behalf of the department. He said such workshops help students to understand the importance of data in day to day story making. He said data journalism is a new and growing branch of journalism, students' needs to learn data verification skills. All faculty members and students were present in the workshop.

Research and Publication Ethics course for research students begins at CUH

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDARGARH: PanditDeendayalUpadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh conducted an orientation program of the Research and Publication Ethics course for the PhD students of the batch 2022-2023. Around 120 PhD research students of 31 departments have joined the Course and attended Orientation Programme. 'Research and Publication Ethics' courseis a UGC approved 2 credits mandatory course introduced by UGC in 2019-20 to instil the ethical values and encourage ethical research practices among the researchers. Central University of Haryana implemented the Course in 2020 and so far completed two batches of 2020-21 and 2021-22. PanditDeendayalUpadhyaya Central Library conducts the Course centrally to the researchers of all Departments.Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of Central University of Haryana appreciated the Library team for organising the Course for various Departments and also organising orientation programme. The University Librarian Dr. Santosh C H oriented the students about the salient features of course. He informed the students about the course structure, various modules and learning outcomes of the programme. He also motivated the students to best utilize the library resources for the research work.

डाटा जर्नलिज्म भविष्य की पत्रकारिता, इसके लिए खुद को तैयार करें विद्यार्थी: प्रो. उमेश आर्य

हकेंवि में कार्यशाला को संबोधित करते डॉ. उमेश आर्य।

महेंद्रगढ़, 26 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा गूगल न्यूज इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वाधान में डाटा वैरीफिकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. उमेश आर्य विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला प्रामाणिक व विश्वसनीय डाटा उपलब्ध करवाने के संदर्भ में उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विशेषज्ञ वक्ता प्रो. उमेश आर्य ने कहा कि इंटरनैट पर सही सामग्री खोजने के लिए सही सवाल पूछना जरूरी है। आज के समय में डाटा बायोग्राफी को समझना अत्यंत आवश्यक है। डाटा बायोग्राफी से अभिप्राय है उस डाटा का उद्देश्य, उसे किसने एकत्रित किया है, क्यों उपलब्ध करवाया जा रहा है, किस समय का है और किस संदर्भ में है।

प्रो. आर्य ने कहा कि वर्तमान समय में डाटा जर्नलिज्म के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और करियर के अवसर हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को लाभदायी टूल्स के बारे में बताया। पत्रकारिता एवं जनसंचार के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में डाटा लिटरेसी और डाटा सैंस सभी के लिए आवश्यक है। इस कार्यशाला से विद्यार्थियों और शोधार्थियों की डिजिटल लिटरेसी के बारे में जागरूकता बढ़ी है।

भविष्य के पत्रकारों के लिए डाटा पत्रकारिता 21वीं सदी का स्किल है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, आलेख नायक व भारती बत्रा सहित भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

हकेंवि में शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन, नैतिकता पाठ्यक्रम शुरू

पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 26 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 के पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए शोध एवं प्रकाशन, नैतिकता पाठ्यक्रम का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से आयोजन को शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसमें विशेषज्ञों से प्राप्त ज्ञान से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 120 पीएच.डी. के शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित 2 क्रैडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा संचालित इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत 2 बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं और यह तीसरा बैच चल रहा है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ।

शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक आचरण का पालन करना आवश्यक

विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने बताया कि शोध नैतिकता शोधकर्त्ता की विश्वसनीयता, ज्ञान विस्तार, सहयोग, विश्वास के लिए महत्वपूर्ण है।

शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक आचरण, मानकों और प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने भी शोधार्थियों को समाज की बेहतरी के लिए विश्वसनीय व गुणवत्तापूर्ण शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसी क्रम में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि अच्छा शोध सामाजिक और नैतिक मूल्यों का समर्थन करता है और बताया कि अच्छा शोध किस तरह से आमजन में विश्वास पैदा कर सकता है। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश कुमार धन्यवाद ज्ञापित करते हुए शोधार्थियों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत दर्शनशास्त्र का परिचय कराते हुए शुक्रवार को पहला व्याख्यान दिया। प्रो. सारिका शर्मा ने अपने संबोधन में शोध के प्रकारों, विधियों सहित विषय से जुड़े विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला आज से

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के शिक्षा पीठ द्वारा 29 नवंबर से भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेख विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संपोषित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। कुलपति ने कहा कि भारतीय भाषाओं के विकास और उनके प्रयोग में बढ़ोत्तरी की दिशा में यह कार्यशाला बेहद उपयोगी साबित होगी। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चामू कृष्ण शास्त्री व भारतीय भाषा समिति के एकेडमिक को ऑडिनेटर डॉ. चंदन श्रीवास्तव भी प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे।

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन पर तीन दिवसीय कार्यशाला आज से

हकेवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजन में जुटेंगे विशेषज्ञ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के शिक्षा पीठ द्वारा 29 नवंबर से भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेख विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संपोषित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार करेंगे।

कुलपति ने कहा कि भारतीय भाषाओं के विकास और उनके प्रयोग में बढ़ोत्तरी की दिशा में यह कार्यशाला बेहद उपयोगी साबित होगी। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चामू कृष्ण शास्त्री जी व भारतीय भाषा समिति के एकेडमिक को-ऑडिनेटर डॉ. चंदन श्रीवास्तव भी प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में करीब 12 सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यशाला का उद्देश्य है कि सभी विद्यार्थी, शोधार्थी अकादमिक क्षेत्र में आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में शोध में भाषा के स्तर पर आने वाली विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जायेगा और भाषाओं में ज्ञान सृजन के अवसर पर विस्तार से प्रकाश डाला जायेगा। इसके साथ ही इसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी जोर रहेगा। इतना ही नहीं कार्यशाला में विभिन्न भाषाओं में पुस्तक समीक्षा जैसे सभी विषयों पर इस कार्यशाला में विस्तार से जानकारी दी जायेगी। प्रो.सारिका शर्मा ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला शोध में भाषा के समक्ष आने वाली चुनौतियों के निदान में मददगार साबित होगी। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के सभी शोधार्थियों के लिये आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला के समन्वयक प्रोफेसर नंद किशोर, सह समन्वयक प्रोफेसर गौरव सिंह व सदस्य डॉ. आरती यादव और डॉ. अमित सिंह है।

हकेंवि में भारतीय भाषाओं में शोध एवं लेखन पर तीन दिवसीय कार्यशाला आज से

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के शिक्षा पीठ द्वारा आगामी 29 नवंबर से भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेख विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संपोषित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार करेंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि तीन दिवसीय कार्यशाला में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चामू कृष्ण शास्त्री जी व भारतीय भाषा समिति के एकेडमिक कोआर्डिनेटर डा. चंदन श्रीवास्तव भी प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे।

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में करीब 12 सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यशाला के समन्वयक प्रोफेसर नंद किशोर, सह समन्वयक प्रोफेसर गौरव सिंह व सदस्य डा. आरती यादव और डा. अमित सिंह हैं।

पंजाब केसरी
TUE,29 NOVEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन पर 3 दिवसीय कार्यशाला आज से

हकेंवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संपोषित आयोजन में जुटेंगे विशेषज्ञ

महेंद्रगढ़, 28 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षा पीठ द्वारा 29 नवम्बर से भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेख विषय पर केंद्रित 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संपोषित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। कुलपति ने कहा कि भारतीय भाषाओं के विकास और उनके प्रयोग में बढ़ौतरी की दिशा में यह कार्यशाला बेहद उपयोगी साबित होगी। इस 3 दिवसीय कार्यशाला में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चामू कृष्ण शास्त्री व भारतीय भाषा समिति के एकैडमिक को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंदन श्रीवास्तव भी प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में यह स्पष्ट है कि अपनी भाषा में शिक्षित होना कोई बाधा नहीं है बल्कि अपने अंदर के सर्वश्रेष्ठ को निखारने के लिए यह बहुत ही आवश्यक है। इसलिए यह नीति अपने मूलभूत सिद्धांतों में बहु भाषिकता के कार्य में भारतीय भाषाओं की शक्ति को प्रोत्साहित करने पर बल देती है, साथ ही यह शोधार्थियों के बीच अकारण बन गए शोध एवं अकादमिक लेखन भाषाई बाधाओं को दूर करने के विभिन्न उपायों को यथाशीघ्र शामिल करने की बात कहती है।

इस संदर्भ में शिक्षा के हर स्तर पर शोध एवं अकादमिक लेखन में भारतीय भाषा माध्यम को प्रभावी रूप से स्थापित करने के लिए वर्तमान एवं भावी शिक्षकों के चिंतन में मौलिक परिवर्तन की आवश्यकता प्रतीत होती है, उसको यह जागृति लानी होगी कि भारतीय भाषा में शोध एवं अकादमिक लेखन के कई अकादमिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक लाभ हैं तथा अपनी भाषा में शोध एवं अकादमिक लेखन होने से शोधार्थी किसी भी ज्ञान को बेहतर तरीके से सीख पाएंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शोध एवं अकादमिक लेखन की शिक्षा को मातृभाषा स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा में देने का प्रावधान कर सभी भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया है।

कार्यशाला का उद्देश्य सभी विद्यार्थी, शोधार्थी अकादमिक क्षेत्र में आगे बढ़ें : प्रो. सारिका

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कहते हैं कि नि:संदेह ही यह एक स्वागत योग्य पहल है और नेल्सन मंडेला तो कहा ही करते थे कि यदि आप किसी व्यक्ति से ऐसी भाषा में बात करते हैं जो वह समझ सकता है तो वह उसके मस्तिष्क में घर करती है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला की संयोजक व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इस 3 दिवसीय कार्यशाला में करीब 12 सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यशाला का उद्देश्य है कि सभी विद्यार्थी, शोधार्थी अकादमिक क्षेत्र में आगे बढ़ें। इसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी जोर रहेगा। इतना ही नहीं कार्यशाला में विभिन्न भाषाओं में पुस्तक समीक्षा जैसे सभी विषयों पर इस कार्यशाला में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला शोध में भाषा के समक्ष आने वाली चुनौतियों के निदान में मददगार साबित होगी। इस कार्यशाला के समन्वयक प्रो. नंद किशोर, सह समन्वयक प्रो. गौरव सिंह व सदस्य डॉ. आरती यादव और डॉ. अमित सिंह है।

'गुणवत्तापरक शोध के लिए स्थानीय भाषा महत्वपूर्ण'

हकेंवि में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शोध के लिए निज भाषा का उपयोग महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से विषय विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. विजय दत्त शर्मा ने विषय पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कार्यशाला की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

द्वितीय सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के डॉ. जसपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के स्तर में भारतीय भाषाओं में शोध प्रविधियों एवं शिक्षण के सम्मुख आने वाली चुनौतियों के विषय पर विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में तीसरे सत्र में डॉ. बाबू राम, पूर्व प्रोफेसर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने निवासी भारतीय भाषाओं में ज्ञान सर्जन के अवसर और चौथे सत्र में डॉ. जगदीश प्रसाद ने भारतीय भाषाओं के शोध अंतर्जाल की उपयोगिता विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मंच का संचालन शिक्षा पीठ के प्रो. नंद किशोर ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. गौरव, प्रो. रविंद्रपाल अहलावत सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

कार्यक्रम में उपस्थित प्रो. जी. हरगोपाल, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी मधुमेह से बचाव और उपचार की जानकारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर कार्यशाला करवाई गई। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में मलेशिया से डॉ.रोहित कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यशाला में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ता मलेशिया से डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने मधुमेह से बचाव व उपचार पर जोर दिया।

फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक डॉ.तरुण कुमार, डॉ. रजत यादव और डॉ. मनीषा पाण्डेय रहे।

साथ ही टीम के सदस्यों के रूप में डॉ. हिना यादव, डॉ. सुमित कुमार एवं डॉ. अशोक जांगड़ा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य, प्रो. विनोद कुमार, डॉ.अंतरेश कुमार, डॉ.रवि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष ,शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

'संविधान पढ़ना डॉ. भीमराव आंबेडकर का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका'

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) व अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बैंगलोर के प्रो. जी हरगोपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संविधान दिवस मनाना प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का क्षण है। विश्वविद्यालय में डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मुख्यातिथि नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया युनिवर्सिटी(एनएलएसआईयू) बैंगलोर के प्रो. जी हरगोपाल ने कहा कि संविधान पढ़ना डॉ. भीमराव आंबेडकर का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका है।

प्रो. हरगोपाल ने सामूहिक शांति और समृद्धि के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता का उपयोग करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के विद्यार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की। अंबिका और शक्ति ने मौलिक अधिकारों और कर्त्तव्यों का पाठ किया। इसी क्रम में निशा, रितु, सुषमा, असिन, प्रियंका और बिरजू ने सीयूइनद कोर्ट नामक नाटक का मंचन किया। कुसुमलता और असिन ने संविधान पर गीत गाए। कार्यक्रम का संचालन सिमरन एवं आशीष ने किया। इस अवसर पर प्रो. विकास वेनीवाल, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. शाहजहां, डॉ. मुलाका मारुति, डॉ. रविंदर सिंह आदि उपस्थित रहे। संवाद

हकेंवि में विश्व मधुमेह दिवस पर कार्यशाला, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. राहुल ने किया संबोधित

विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता कर मधुमेह के बारे में प्राप्त किया ज्ञान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में मंगलवार को विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से आयोजित कार्यशाला उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मधुमेह प्रबंधन के महत्त्व और जीवन शैली में बदलाव करने पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में मलेशिया से डॉ. रोहित कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की कार्यशाला आयोजित करने की जाएगी। कार्यशाला में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ता मलेशिया से डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने मधुमेह से बचाव व उपचार पर जोर दिया। उन्होंने मधुमेह प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने मधुमेह की व्यापकता से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता कर मधुमेह के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक डॉ. तरुण कुमार, डॉ. रजत यादव एवं डॉ. मनीषा पाण्डेय थे। साथ ही टीम के सदस्यों के रूप में डॉ. हिना यादव, डॉ. सुमित कुमार एवं डॉ. अशोक जांगड़ा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. रवि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में विशेष वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हकेवि में 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

नारनौल, 29 नवंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शोध के लिए निज भाषा का उपयोग महत्त्वपूर्ण है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से विषय विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. विजय दत्त शर्मा ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

दैनिक ट्रिब्यून

Workshop organised on the occasion of "World Diabetes Day" conducted at CUH

Simran Rawat
info@impressivetimes.com

Mahendargarh: A workshop on the occasion of "World Diabetes Day" was organized on 29 th Nov. 2022 by the Department of Pharmaceutical Sciences, School of Interdisciplinary and applied sciences in collaboration University Heath Center at Central University of Haryana, Mahendergarh. Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University inaugurated the workshop and emphasized the importance of diabetes management and life style modification. He appreciated the initiative taken by the Department of Pharmaceutical Sciences to conduct such a program. The international speaker of this event was Dr. Rohit Kumar Verma from Malaysia emphasized on prevention and treatment of diabetes. He also talked about the integrated approach for diabetes management. Prof. Neelam Sangwan, Chairperson, Dean SIAS, and Dean Research, delivered the welcome address and briefed about the workshop. She also informed that such workshop would also be conducted in the future in order to give an opportunity to scholars to interact with eminent resource persons. Dr. Dinesh Kumar, Head, and Convener of the event, informed about the prevalence of diabetes.

THE INTERNATIONAL SPEAKER OF THIS EVENT WAS DR. ROHIT KUMAR VERMA FROM MALAYSIA EMPHASIZED ON PREVENTION AND TREATMENT OF DIABETES. HE ALSO TALKED ABOUT THE INTEGRATED APPROACH FOR DIABETES MANAGEMENT.

संविधान दिवस मनाना हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 29 नवम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डी.ए.सी.ई.) व अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा संविधान दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नैशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलोर के प्रो. जी. हरगोपाल ने मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संविधान दिवस मनाना प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का क्षण है।

उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और हमें खुशी है कि हमारे विश्वविद्यालय में देश के लगभग सभी राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने सभी को मौलिक अधिकारों व कर्त्तव्यों को जानने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। प्रो. जी. हरगोपाल ने कहा कि संविधान पढ़ना डॉ. भीमराव अंबेडकर का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका है।

उन्होंने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने पर डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डॉ. अम्बेडकर की भूमिका न केवल आरक्षण के कार्यान्वयन की है, बल्कि उनकी प्रमुख भूमिका नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम की शुरूआत करके और प्रस्तावना के लिए महानतम मूल्यों को पेश करके सामाजिक परिवर्तन है।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रो. जी. हरगोपाल, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

सामूहिक शांति व समृद्धि के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता का उपयोग करने पर दिया जोर

प्रो. हरगोपाल ने सामूहिक शांति और समृद्धि के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता का उपयोग करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के विद्यार्थियों ने सक्रिय प्रतिभागिता की। केंद्र के विद्यार्थी केशव ने संविधान की प्रस्तावना का वर्णन किया। अम्बिका और शक्ति ने मौलिक अधिकारों और कर्त्तव्यों का पाठ किया।

इसी क्रम में निशा, रितु, सुषमा, असिन, प्रियंका और बिरजू ने 'सी यू इन द कोर्ट' नामक नाटक का मंचन किया। कुसुमलता और असिन ने संविधान पर गीत गाए हैं। कार्यक्रम का संचालन सिमरन एवं आशीष ने किया।

इस अवसर पर प्रो. विकास वेनीवाल, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. टी. लोंगकोई, राकेश मीणा, डॉ. शाहजहां, डॉ. मुलाका मारुति, डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुमित कुमार सहित अन्य संकाय सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुणवत्तापरक मौलिक शोध के लिए निजी भाषा महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 29 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 29 नवम्बर को भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

भारतीय भाषाओं में शोध एवं अकादमिक लेखन विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुणवत्तापरक शोध के लिए निजी भाषा का उपयोग महत्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विशेष रूप से मातृभाषा में शिक्षा की पक्षधर है और अवश्य ही भारतीय भाषा समिति के सहयोग से विश्वविद्यालय में आयोजित यह कार्यशाला इस दिशा में जारी प्रयासों को बल प्रदान करेगी।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से विषय विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. विजय दत्त शर्मा ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कार्यशाला की संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और 3 दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों व उसमें उपस्थित रहने वाले विशेषज्ञों का स्वागत किया।

प्रो. टंकेश्वर ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा ही वह माध्यम है जो कि किसी भी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारतीय भाषाओं में शोध के पीछे का उद्देश्य यही है कि हम अपने ज्ञान को विस्तृत रूप से प्रसारित कर सकें।

आयोजन के पहले दिन डॉ. विजय दत्त शर्मा के पश्चात द्वितीय सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के डॉ. जसपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के स्तर में भारतीय भाषाओं में शोध प्रविधियों एवं शिक्षण के सम्मुख आने वाली चुनौतियों के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

इसी क्रम में तीसरे सत्र में डॉ. बाबू राम, पूर्व प्रो. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने निवासी भारतीय भाषाओं में ज्ञान सर्जन के अवसर और चौथे सत्र में डॉ. जगदीश प्रसाद ने भारतीय भाषाओं के शोध अंतर्जाल की उपयोगिता विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. गौरव, प्रो. रविंद्रपाल अहलावत सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।